राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 104 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 26 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

राजकोट में 1489 अवैध मकानों पर गरजा बुलडोजर

राजकोट। गुजरात के राजकोट में प्रशासन का बुलडोजर जमकर गरजा। राजकोट नगर निगम ने शहर के जंगलेश्वर इलाके में अवैध कब्जों के खिलाफ एक बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू कर दिया है। प्रशासन की इस भारी-भरकम कार्रवाई के तहत इलाके की 1,489 अवैध इमारतों को जमींदोज किया जाएगा। दशकों से बसी इन बस्तियों पर अचानक बुलडोजर चलने से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। इस बड़ी कार्रवाई की पृष्ठभूमि में राज्य के शीर्ष नेतृत्व का सख्त रुख है। अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, राज्य के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी से सीधे आदेश मिलने के बाद ही राजकोट नगर निगम ने जंगलेश्वर इलाके में इस व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान का खाका तैयार किया और उसे जमीन पर उतारना शुरू कर दिया।

मेरी रसोई योजना के तहत 40 लाख परिवारों को मिलेगा मुफ्त राशन

चंडीगढ़। पंजाब में पहली बार व्यापक स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूती देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने आज 'मेरी रसोई' योजना की शुरुआत का ऐलान किया, जिसके तहत 40 लाख परिवारों को अप्रैल से तिमाही आधार पर मुफ्त फूड किट (भोजन किट) का वितरण शुरू किया जाएगा उल्लेखनीय है कि ये फूड किट राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिए जाने वाले गेहूं से अलग तौर पर प्रदान की जाएंगी। इस योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार जन कल्याण योजनाओं के लिए संसाधन जुटाना अच्छी तरह जानती है, जो पूरी ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ चलती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे के लिए पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना सिर्फ एक वादा नहीं बल्कि हमारा नैतिक फर्ज है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले लोक-हितैषी बजट में भी समाज के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखते हुए लोक भलाई उपायों का दायरा और विस्तृत किया जाएगा। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल पंजाब के हर परिवार के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

हिमाचल प्रदेश का पहला ट्यूलिप गार्डन, 70 हजार से ज्यादा पर्यटकों ने किया दीदार

पालमपुर। हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में धौलपुर पर्वत श्रृंखलाओं की पृष्ठभूमि में स्थित सीएसआईआर-हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी) का ट्यूलिप गार्डन, राज्य का पहला और कश्मीर के बाद देश का दूसरा महत्वपूर्ण ट्यूलिप गार्डन है। सीएसआईआर-हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान अब अपने चौथे वर्ष में है और एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो चुका है।

विधानसभा में अजय चंद्राकर ने उठाई आवाज

कंपनियां गिग वर्करों की जान जोखिम में डाले हुए हैं

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने गिग वर्करों के लिए कोई श्रम कानून नहीं होने पर सवाल उठाया। चंद्राकर ने आरोप लगाया की बड़ी कंपनियां दस मिनट में सामानों की डिलवरी का दावा कर छत्तीसगढ़ के बच्चों की जान को जोखिम में डाली हुई हैं। प्रश्नकाल में अजय चंद्राकर का सवाल था कि प्रदेश में स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकइट, रैपिडो (गिग वर्क) इस तरह की कितनी कंपनियां कार्यरत हैं? इन कंपनियों को कार्य करने हेतु अनुमति देने की प्रक्रिया क्या है? इन कंपनियों में कितने गिग वर्कर कार्यरत हैं? उनमें से छत्तीसगढ़ के कितने हैं? क्या इसके संबंध में कोई नियम-निर्देश हैं? गिग वर्करों की भर्ती हेतु शैक्षणिक या अन्य योग्यताएं निर्धारित की गई हैं? क्या इनके वेतन, श्रमावधि एवं सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता हेतु नियम-शर्तें लागू होती हैं? इसकी निगरानी करने के लिये क्या व्यवस्था है एवं किस स्तर के अधिकारी द्वारा इनकी देख-रेख की जाती है? श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की ओर से जवाब आया कि प्रदेश में श्रम विभाग अंतर्गत स्विगी, जोमेटो ब्लिंक इट, रेपिडो जैसे कंपनियाँ पंजीकृत नहीं हैं। उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) तथा कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय) व्दारा इस प्रकार की कंपनी पंजीकृत नहीं होने की जानकारी दी गई है। उक्त कंपनियों के श्रम विभाग अंतर्गत पंजीयन नहीं होने के कारण इनमें कार्यरत गिग वर्कर की कुल संख्या तथा उनमें से छत्तीसगढ़ के गिग वर्करों की संख्या की जानकारी उपलब्ध नहीं है। श्रम विभाग व्दारा प्रवर्तित श्रम अधिनियम अंतर्गत उक्त कंपनियों को कार्य करने की अनुमति देने संबंधी कोई प्रक्रिया निर्धारित नहीं है। गिग वर्करों की भर्ती हेतु शैक्षणिक या अन्य योग्यताएं, वेतन एवं समयावधि निर्धारित करने का कोई प्रावधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा गिग एवं प्लेटफार्म वर्करों की सामाजिक सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा मण्डल का गठन केन्द्रीय सरकार व्दारा किये जाने का प्रावधान किया गया है। अजय चंद्राकर ने कहा कि पूर्व में प्लेसमेंट कंपनियों पर भी मैं इसी तरह प्रश्न लगाया था। गिग वर्करों का जमकर दोहन हो रहा है। ये कौन सी श्रेणी में आते हैं संगठित या असंगठित? मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि ये दोनों ही श्रेणी में नहीं आते। चंद्राकर ने पूछा कि इनकी सूरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्या कोई नियम या अधिनयम बनाएंगे। देवांगन ने कहा इनको लेकर जैसे ही भारत सरकार का कोई नियम बनेगा हम छत्तीसगढ़ में उसका पालन करेंगे। अजय चंद्राकर ने कहा कि जब तक कोई नियम नहीं बनेगा छत्तीसगढ़ के बच्चे क्या इसी तरह शोषण का शिकार होते रहेंगे? कंपनियां दस मिनट में सामानों की डिलवरी का दावा कर इनकी जान जोखिम में डालती हैं। ऐसी परिस्थितियां निर्मित हुईं कि कई जेल चुके हैं, कई आत्महत्या कर चुके हैं।

बाधारहित जमीन की अनुपलब्धता के कारण तात्यापारा-शारदा चौक चौड़ीकरण रुका

रायपुर। विधानसभा में आज भाजपा विधायक सुनील सोनी के सवालों पर उप मुख्यमंत्री (लोक निर्माण एवं नगरीय प्रशासन) अरुण साव की ओर से जवाब आया कि तात्यापारा से शारदा चौक सड़क के चौड़ीकरण की कार्य योजना प्रारंभ होने में विलम्ब का मुख्य कारण बाधारहित जमीन की अनुपलब्धता है। सुनील सोनी का लिखित में सवाल था कि राजधानी रायपुर के तात्यापारा से शारदा चौक सड़क के चौड़ीकरण की कार्ययोजना प्रारंभ होने में विलंब के क्या कारण हैं? उक्त योजना के क्रियान्वयन में किन-किन विभागों को शामिल किया गया है? क्या कार्य प्रारंभ होने एवं पूर्ण होने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है? उप मुख्यमंत्री अरूण साव की तरफसे लिखित में जवाब आया कि राजधानी रायपुर के तात्यापारा से शारदा चौक सड़क के चौड़ीकरण की कार्य योजना प्रारंभ होने में विलम्ब का मुख्य कारण बाधारहित जमीन की अनुपलब्धता है। साव ने बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 19 जुलाई 2024 को हुई बैठक के अनुसार रायपुर कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी गठन हेतु आदेशित है। 23 जुलाई 2024 को रायपुर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, रायपुर नगर निगम, रायपुर विकास प्राधिकरण, नगर तथा ग्राम निवेश रायपुर, पुलिस विभाग, जिला पंजीयक, जिला कोषालय (वित्त विभाग) को शामिल किया गया।

विधानसभा में मूणत की दहाड़

मुख्यमंत्री से लेकर सारे मंत्रियों को पिलाया जा रहा गंदा पानी

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज पूर्व मंत्री एवं भाजपा विधायक राजेश मूणत के पास अपनी बात रखने कुछ ही मिनटों का समय था और इस बीच उन्होंने राजधानी रायपुर की जीवनदायिनी खारुन नदी में नाले का गंदा पानी जाकर मिलने के विषय को काफी आक्रामक अंदाज में उठाया। मूणत यह बोलने से नहीं चूके कि मुख्यमंत्री से लेकर सारे अन्य मंत्रियों को गंदा पानी पिलाया जा रहा है। प्रश्नकाल में राजेश मूणत का सवाल था कि क्या यह सत्य है खारून नदी के पास 81 करोड़ 88 लाख रुपये व्यय कर 75 एम.एल.डी. क्षमता के घरेलू दूषित जल उपचार संयंत्र (एस.टी.पी.) के पूर्ण रूप से क्रियाशील होने के बाद भी चिंगरी तथा पीहर नाले से आ रहा गंदा पानी नदी के निर्मल जल को प्रदूषित कर रहा है? यदि हां तो इसे रोकने के लिए क्या उपाय किये गए? चिंगरी तथा पीहर नाले से आ रहे गंदे तथा दूषित पानी को नदी में जाने से रोकने के लिए रायपुर नगर निगम द्वारा 11 करोड़ की कार्य योजना नगरीय प्रशासन विकास विभाग को पिछले 1 वर्षों से भेजे जाने के बाद भी क्या स्वीकृति हेतु लंबित है? यदि हां तो क्यों तथा स्वीकृति कब तक दी जावेगी ?उप मुख्यमंत्री (नगरीय प्रशासन) अरूण साव की ओर से जवाब आया कि खारून नदी के पास 81 करोड़ 88 लाख रुपये व्यय कर 75 एम.एल.डी. क्षमता के घरेलू दूषित जल उपचार संयंत्र (एस.टी.पी.) का निर्माण किया गया है, जो कि पूर्ण रूप से क्रियाशील है। चिंगरी नाला का दूषित जल नाले में बनाये गये पिकअप वियर से ओवर फ्लो होकर नदी में प्रवाहित हो जाता है। चिंगरी नाला का लाईनिंग तथा अप्रोच मार्ग नहीं होने से शिल्ट सफाई की समस्या।

मिलावटी दूध पीने से बिगड़ी तबीयत, 48 घंटे के अंदर 4 लोगों की मौत; 12 की हालत गंभीर

राजमुंदरी। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के राजमुंदरी इलाके में पिछले 48 घंटों के भीतर अचानक किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी के चलते चार लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 12 अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जान गंवाने वाले और बीमार पड़े सभी लोग 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। इस पूरे मामले की जब शुरुआती जांच की गई।

हर जगह कर रहे हैं बेइज्जत

शहबाज शरीफ के गले की हड्डी बने डोनाल्ड...

नई दिल्ली। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के रिश्तों में इस समय असहजता साफ दिखाई दे रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि न तो दूरी बनाई जा सकती है और न ही सहजता कायम रह पा रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा अमेरिका से हस्तक्षेप की अपील करना अब उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। उस समय वॉशिंगटन से मदद की उम्मीद की गई थी, लेकिन अब उसी प्रसंग को लेकर सार्वजनिक मंचों पर टिप्पणियां हो रही हैं, जिससे इस्लामाबाद की किरकिरी हो रही है। अप्रैल-मई के

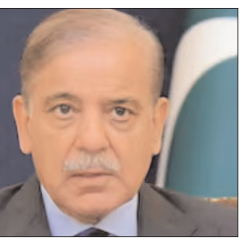

दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने शहबाज शरीफ को अच्छा आदमी बताया था और दोनों देशों के रिश्तों को सकारात्मक दिशा में दिखाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने भी ट्रंप की सराहना करते हुए उन्हें भारत-पाक तनाव कम कराने में अहम भूमिका निभाने वाला नेता बताया।

शेगांव में किया नेशनल आरोग्य मेले का उद्घाटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा अब औषधीय खेती से बढ़ेगी आय...

महाराष्ट्र/ एजेंसी

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में बुधवार को चार दिवसीय नेशनल आरोग्य मेला 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस मेले का उद्घाटन करते हुए देश के नागरिकों के स्वास्थ्य और किसानों की आर्थिक उन्नति को लेकर एक नई राह दिखाई। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि स्वस्थ नागरिक ही एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रपति का यह दौरा महाराष्ट्र के लिए स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में एक नई चेतना जागृत करने वाला माना जा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पौधों की खेती से न केवल किसानों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, बल्कि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में मदद करेगा। राष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह और कृषि विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे इस बात पर गंभीरता से विचार करें कि देश में औषधीय पौधों की खेती को व्यापक स्तर पर कैसे बढ़ाया जा सकता है। उनके अनुसार, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कृषि तकनीकों का संगम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल सकता है। राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की सलाह देते हुए कहा कि दुनिया भर के लोग अब तनाव मुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपना रहे हैं।

स्नूकर क्लब में 10वीं के छात्र पर 30 सेकंड में 27 बार चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के एक स्नूकर क्लब में 10वीं क्लास के एक छात्र पर दो अन्य नाबालिगों ने महज 30 सेकंड के अंदर 27 बार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद बेखौफ आरोपियों ने खुद ही घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया, जिसने पूरे शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज में इस हमले की भयावहता साफ देखी जा सकती है।

अनिल अंबानी का घर 'अबोड' हुआ जब्त

अब तक 15 हजार करोड़ की संपत्ति हो चुकी है कुर्क-ईडी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अनिल अंबानी के घर अबोड को जब्त कर लिया है, यह कुर्की हाईकोर्ट के आदेश के बाद हुई है। जब्त घर की कीमत 3,716 करोड़ बताई जा रही है, ईडी के मुताबिक अनिल और उनके समूह की कंपनीयों के खिलाफ कब तक 15 हजार करोड़ से ज्यादा की कार्रवाई हो चुकी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने उद्योगपति अनील अंबानी को बड़ा झटका देते हुए एकल न्यायाधीश पीठ के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ तीन बैंकों और एक ऑडिट फर्म को धोखाधड़ी की कार्रवाई से रोका गया था। डिवीजन बेंच के इस ताजा निर्णय के बाद अब बैंकों के लिए आगे की कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में शामिल प्रमुख बैंकों बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक को अब आरबीआई के वर्ष 2024 में जारी दिशा-निर्देशों के तहत अंबानी के खातों को 'फ्रॉड' घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की अनुमति मिल गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट की खंडपीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए अखंड शामिल थे, उन्होंने अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने 24 दिसंबर 2025 के एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश को 'गैर-कानूनी' और प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण करार देते हुए उसे निरस्त कर दिया।

एनसीईआरटी की 8वीं की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार'

भड़के सीजेआई ने कहा-संस्था को बदनाम करने नहीं देंगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

एनसीईआरटी की कक्षा आठ की एक किताब में न्यायपालिका से जुड़ी विवादित सामग्री पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गंभीर आपत्ति जताई थी। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार से संबंधित विवादास्पद अंशों को हटाया जा सकता है, क्योंकि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। परिषद ने पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। इस बीच बताया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने अध्याय से जुड़े विषय विशेषज्ञों और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की सिफारिशों की समीक्षा करने के लिए एक आंतरिक बैठक बुलाई है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सकलानी ने इस मुद्दे पर फोन और संदेशों का जवाब नहीं दिया। परिषद के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि एनसीईआरटी एक स्वायत्त संस्था है, लेकिन अध्याय जोड़ने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यदि भ्रष्टाचार के मुद्दे को पाठ्यपुस्तक में शामिल करना ही था, तो इसे कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका ङ्क तीनों अंगों से संबंधित होना चाहिए था। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान

की नई पाठ्यपुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के संदर्भों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी को भी इस संस्था को 'बदनाम या अपमानित' करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने तब आया, जब वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधित पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु पर चिंता व्यक्त की। सिब्बल ने कहा कि कानूनी बिरादरी के सदस्य इस बात से बहुत चिंतित थे कि स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा था। उन्होंने इसे पूरी तरह से निंदनीय बताया। वरिष्ठ वकील ने शीर्ष अदालत को बताया, 'इस संस्था के सदस्य होने के नाते हमें यह जानकर गहरा दुख हुआ है कि कक्षा 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है। संस्था से हमारा गहरा संबंध है। हमारे पास पुस्तक की प्रतियां मौजूद हैं।' इस गंभीर मुद्दे को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत के संज्ञान में लाया। वकीलों का तर्क था कि स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को न्यायपालिका के प्रति इस तरह की नकारात्मक सामग्री पढ़ाया जाना बेहद चिंताजनक है, क्योंकि इससे उनके मन में न्याय प्रणाली के प्रति गलत संदेश जा सकता है। सिब्बल ने अदालत से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की, जिस पर सीजेआई ने बताया कि उन्हें इस विषय पर कई फोन और संदेश मिले हैं और वे स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं।

सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी-एक दिन रुकिए

इसके जवाब में, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि वह पहले से ही इस विवाद से अवगत थे और उन्हें न्यायपालिका के सदस्यों से इस मामले पर चिंता व्यक्त करने वाले कई पत्र प्राप्त हुए थे। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुस्तक की सामग्री से कई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी परेशान थे। जब सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया, तो सीजेआई ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर पहले ही कार्यवाही शुरू कर दी है। सीजेआई ने टिप्पणी की, 'एक दिन रुकिए। यह निश्चित रूप से पूरी संस्था के लिए चिंता का विषय है। मैं धरती पर किसी को भी इस संस्था की गरिमा को धूमिल करने और इसे बदनाम करने की अनुमति नहीं दूंगा। किसी भी कीमत पर मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। चाहे वह कितना भी ऊंचा पद पर हो, कानून अपना काम करेगा। मुझे पता है कि इससे कैसे निपटना है।'

संक्षिप्त समाचार

डॉ. दीपेन्द्र सोनी को फर्मेसी में पीएच.डी. की उपाधि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक एवं शोध जगत के लिए गौरव का विषय है कि डॉ. दीपेन्द्र सोनी, सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ फर्मेसी, मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर को छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई (भारत) द्वारा फर्मेसी संकाय (Faculty of Pharmacy, Biomedical Engineering and Biotechnology), शाखाङ्कफर्मेसी में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. सोनी ने अपना शोधकार्य एच.आइसोरा की नवीन चिकित्सीय संभावनाओं का अन्वेषण एवं हर्बल नवीन सूत्रीकरण का विकास विषय पर पूर्ण किया। उनका शोधकार्य कृष्णा विकास फर्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च संस्थान, नंदनवन, रायपुर की प्राचार्य एवं प्रोफेसर डॉ. चंचल दीप कौर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डॉ. दीपेन्द्र सोनी का शोध केंद्र रुंगटा कॉलेज ऑफ फर्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, भिलाई रहा, जहाँ उन्होंने औषधीय पौधे H. isora के नवीन चिकित्सीय संभावनाओं की वैज्ञानिक जाँच तथा एक हर्बल नवीन फर्मुलेशन के विकास पर महत्वपूर्ण अनुसंधान किया। यह शोधकार्य हर्बल औषधि विकास एवं फर्मास्यूटिकल विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। डॉ. सोनी रायपुर के लिली चौक निवासी दीनदयाल सोनी एवं श्रीमती शिव कुमारी सोनी के सुपुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, संस्थान एवं समस्त शैक्षणिक समुदाय में हर्ष का वातावरण है।

विश्वविद्यालय एवं संबंधित संस्थानों के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने डॉ. दीपेन्द्र सोनी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं

ड्राइवर महासंघ ने एसपी से शिकायत,,न्याय की मांग

सारँगढ बिलाईगढ़ – विगत दिनों ट्रक ड्राइवर और हेल्फर को लात घुसे से मारने की शिकायत सामने आई थी जिसका वीडियो वायरल हुआ था न्याय की मांग को लेकर एसपी में ड्राइवर संघ ने ज्ञापन सौपे जिसमे उल्लेखनीय अंगद कुमार भारती पिता महादेव भारती निवासी ग्राम टेढीभद्रा पी.डी.एस. वाह कमांक सी.जी. 04 जे 7721 का चालक हूँ कि दिनांक 21/02/2026 दिन शनिवार समय 7.00 बजे में ओर मेरा हेल्फर सुनील बंजारे लोड चावल भरा ट्रक को ग्राम मोहतरा न अनलोड कराने भटगाव सत्येन्द्र जायसवाल क्लीनिक के सामने रोड पर वाहन ढक को हेमाल लोगो के इंतजार में खडा किया था मेरे साथ बुरा बरताव किया गया कहा हरामखोर तुम मेरे घर के सामने गाडी क्यो खडा किये हो तुरंत हटाओ कहकर जाति सूचक गंदी गंदी गालीया देने लगा व मेरा साथ हाथपाई करने मेरे कालर पकडकर गाडी से नीचे उत्तार दिया धक्का मुक्की किया और जान सहित मारने की धमकी दिया गया मै कहता रहा है माफकर दो भैया लेकिन रविन्द्र जायसवाल ने मेरा एक बात नही सुना मैं जैसे तैसे अपने वाहन को लेकर अनडोल कराने ले गया उसके बाद लगभग 11.30 बजे मेरा मुंशी का फोन आया बोला कि रविन्द्र जायसवाल के पास जाकर माफी मांग लेना झगडा नही करेगा कहा मै रविन्द्र जायसवाल के पास गया और माफी मांगने लगा तभी वहां पर डॉ. लक्ष्मी जायसवाल व डॉ. शशि जायसवाल आया और मुझे बंधक बनाया गया तीनो के द्वारा क्रूरता पूर्ण तरीके से जाति सूचक गालीयां देते हुये लात मुक्के से बहुत मारा मेरा कान सुन्न हो गया था बाया तरफका गाल सूजन हो गया था तथा मेरा पूरा बाडी मे दर्द होने लगा था मेरा हेल्फर सुनील कुमार बंजारे के साथ भी मारपीट किया जाति सूचक गालीयां भी दिया अपने क्लिनिक के धारदार नुकिले हथियार से गंभीर चोट पहुंचाने के इरादा से वार किया जिससे सुनील बंजारे के गर्दन के पीछे कट गया है व दाया हाथ के कलाई कट गया चोट लगा है इतना सब होने के बावजूद भी मेरे से कहा गया कि पांव छुकर माफी मांगने के पश्चात कहा गया मेरे पाव मे नाक रगडकर मांफी मांग और माफी मगवाया गया तब कही जाकर हमे छोडा गया हम खुद को प्रताडित महसूस कर रहे है डरे व सहमे हुये है। रविन्द्र जायसवाल डॉ शशि जायसवाल डॉ. लक्ष्मीनारायण जायसवाल के विरूद्ध कड़ी से कडी कार्यवाही करने की मांग किया

होली पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने का प्रशासन ने किया आह्वान

बिर्रा-// समय दर्शन // होली पर्व शांति पूर्वक मनाने की अपील की गई है--- तहसीलदार अविनाश चौहान पुलिस थाना में होली पर्व को शांति पूर्वक मनाने के लिए शांति समिति की पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू तहसीलदार अविनाश चौहान सहा उपनिरीक्षक तीजराम जागड़े सरपंच श्रीमती पीलीबाई एकादशियां साहू की उपस्थिति में हुआ। । तहसीलदार अविनाश चौहान ने कहा कि होली पर्व को शांति और सौहार्द वातावरण बनाने के लिए के लिए सभी से अपील की है साथ ही होली पर हुड़दंग करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और इस दिन किसी को भी जमानत खारिज कर सीधे जेल भी भेजा जाएगा। वहीं पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू ने कहा कि होली पर्व को शांति और सौहार्द वातावरण बनाने के लिए सभी से अपील की है तथा कोई भी बेवजह से किसी को रंग गुलाल नहीं डाला जाएं और कोई भी सड़क में बेवजह से मोटरसाइकिल नहीं दौड़ाया जाएं

और अनावश्यक रूप से सड़क पर वाहन चलाते पाएं जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी । वहीं बसस्टैण्ड में दुकान अपने भीतर में ही लगाएं और दूकानदार के व्दारा अनावश्यक रूप से पाएं जाने पर प्रतिबंधित कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर सरपंच श्रीमती पीलीबाई एकादशियां साहू सरपंच संतोषी छोटू पटेल मेलाराम चौहान विनय कुमार कश्यप पटवारी थालेश्वर देवांगन चिन्नीलाल विमला चौहान मनहरण सोनवानी गोपाल देवांगन इतवारी साहू मुनीराम विरेन्द्र साहू भूपेंद्र साहू रामशरण कैवर्त रिकू साहू रितेश तिवारी अमृत खुंटे, राजेंद्र डडसेना, धनसाय कश्यप प्रकाश चौहान जितेन्द्र तिवारी चित्रभानु पांडेय उपाध्यक्ष जीवन साहू संजू साहू दुर्गा ड़ड़सेना हेमंत जायसवाल शुभम पटेल सुनील कुमार आदित्य गोविन्दा खुंटे सरपंच सेवक उपसरपंच गोपाल कश्यप बुद्धेश्वर देवांगन प्रधान आरक्षक गौतम पांडेय,संजय उजीर डोमनिक तिग्गा लक्ष्मी कश्यप रघुवीर यादव भुवनेश्वर साहू दिलीप कश्यप जनक कश्यप के अलावा पुलिस स्टाफ व ग्रामीण जन प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित थे।

घोषणाओं का बजट, धरातल पर सन्नाटा : विशु अजमानी

राजनांदगांव। कांग्रेस प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के सचिव विशु अजमानी ने साय सरकार के हालिया बजट को जनअपेक्षाओं से कटा हुआ बताते हुए कहा है कि बजट भाषण में बड़े आंकड़े और घोषणाएं तो गिनाई गईं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वाली कोई स्पष्ट और समयबद्ध योजना नजर नहीं आई।

उन्होंने कहा कि लगभग पौने दो घंटे के बजट भाषण में शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी सुविधाओं जैसे मूल मुद्दों पर ठोस कार्ययोजना का अभाव दिखाई देता है। युवाओं, महिलाओं, किसानों और आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कोई ठोस विजन सामने नहीं आया।

अजमानी ने कहा कि प्रदेश में खेती का रकबा और उत्पादन बढ़ने

के बावजूद धान खरीदी में कमी आई है, जिससे अन्नदाता वर्ग में निराशा का माहौल है। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि लागत कम करने के लिए भी बजट में स्पष्ट प्रावधान नजर नहीं आते।

उन्होंने कहा कि रोजगार के नाम पर घोषणाएं तो की गईं, लेकिन लाखों युवा आज भी नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने और अस्पतालों में सुविधाएं मजबूत करने जैसे अहम विषयों पर भी स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया गया।

विशु अजमानी ने आरोप लगाया कि महंगाई से जूझ रही जनता को राहत देने के बजाय सरकार ने प्रचार-प्रसार पर अधिक ध्यान दिया है। मजदूर वर्ग, महिलाएं और मध्यम वर्ग अपेक्षित राहत से वंचित रहे हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि जनता अब केवल कागजी घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि प्रदेश को धरातल पर ठोस परिणाम चाहिए। कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करती रहेगी।

मुख्यमंत्री से भेंट कर बजट में कैशलैस चिकित्सा सुविधा शामिल करने के लिए जताया आभार

पाटन। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट कर राज्य बजट में कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा शामिल किए जाने पर अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया।

प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारी वर्ग एवं उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता से मुक्ति मिलना एक ऐतिहासिक एवं कर्मचारी हितैषी कदम है। फेडरेशन सरकार के इस संवेदनशील निर्णय का स्वागत करता है तथा आशा करता है कि भविष्य में भी कर्मचारी हितों को इसी प्रकार प्राथमिकता दी जाती रहेगी। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर निरंतर संघर्षरत है, जिनमें कैशलैस चिकित्सा सुविधा प्रमुख मांगों में शामिल रही है। इस महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति से प्रदेश के कर्मचारियों में उत्साह एवं संतोष का वातावरण है।

प्रतिनिधिमंडल में श्री कमल वर्मा (प्रांतीय संयोजक), श्री सुनील उपाध्याय, श्री जय कुमार साहू, श्री राजेश सिंघी, श्री संतोष कुमार वर्मा, श्री संजीत शर्मा, श्री देवाशीष दास, श्री लोकेश वर्मा, श्री अमित शर्मा, श्रीमती सोनाली तिडके, श्री आकाश त्रिपाठी, श्री जगेश्वर भट्ट, श्री दीपक सोनकर, श्री प्रवीण सिंह एवं श्रीमती निशा यादव उपस्थित रहे।

हर वर्ग के सपनों को साकार करने वाला जनहितैषी बजट : शीला टाकेश सिन्हा

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत राज्य बजट को जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने छत्तीसगढ़ के उज्वल भविष्य का संकल्प पत्र बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास का रोडमैप है, जो गांव से लेकर शहर तक समान रूप से प्रगति की नई राह प्रशस्त करेगा।

श्रीमती सिन्हा ने कहा कि बजट में समाज के प्रत्येक वर्ग किसान, युवा, महिला, मजदूर, व्यापारी और मध्यमवर्ग की आवश्यकताओं का गंभीरता से ध्यान रखा गया है। सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि विकास केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव तक उसकी रोशनी पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं कि राज्य सरकार समावेशी विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को

सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रावधान किसानों के जीवन में स्थिरता और समृद्धि लाएंगे। सिंचाई, समर्थन मूल्य, भंडारण और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने जैसे कदम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेंगे।

उन्होंने विश्वास जताया कि इन योजनाओं से किसान आत्मनिर्भर बनेंगे और ग्रामीण क्षेत्र आर्थिक रूप से अधिक सशक्त होगा। युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधान राज्य को नई ऊर्जा देंगे। नई औद्योगिक संभावनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश की प्रगति को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में किए गए प्रावधान सरकार की संवेदनशील सोच को दर्शाते हैं। स्व सहायता समूहों को बढ़ावा, मातृत्व लाभ योजनाएं और सुरक्षा से जुड़े कदम महिलाओं को आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना पर बढ़ाया गया। निवेश छत्तीसगढ़ को विकास के नए आयाम देगा। बेहतर अस्पताल, आधुनिक स्कूल, सड़कों और पुलों का विस्तार प्रदेश को समृद्धि की ओर अग्रसर करेगा।

अंत में श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने कहा कि यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर एक मजबूत और निर्णायक कदम है। यह बजट प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी और पारदर्शिता के साथ यह बजट राज्य को प्रगति और समृद्धि के नए शिखर पर पहुंचाएगा।

आसिफअली की सजगता से 32 नाम विलोपन की साजिश हुई नाकाम, लोकतंत्र की रक्षा में कांग्रेस की बड़ी जीत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड में 32 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित करने की साजिश कांग्रेसी नेता आसिफ अली की सजगता से विफल हो गई। फार्म-7 के माध्यम से स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई थी, जिसका तथ्यात्मक भंडाफोड़ आसिफअली ने किया। आसिफअली ने मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद तहसीलदार से मुलाकात की और सूची का अवलोकन कराया। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि ज्ञापन में उल्लिखित सभी 32 नाम अंतिम मतदाता सूची में विधिवत दर्ज हैं। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम विलोपित नहीं हुआ है, और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। आसिफ अली ने तहसीलदार को निष्पक्ष जांच

के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि प्रशासन की पारदर्शी कार्यवाही से जनता का लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास और मजबूत होता है। उन्होंने इस पूरी घटना में साथ खड़े रहने वाले कांग्रेसजनों पूर्व अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश डाकलिया, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान, अमित चंद्रवंशी, पार्षद छोटे लाल रामटेके, मण्डल अध्यक्षगण और अन्य कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। आसिफ अली ने यह भी दोहराया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा मताधिकार की रक्षा के लिए सजग रहेगी और भविष्य में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी।

स्कूली बच्चों के दुपहिया वाहन चलाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई ने जनदर्शन में स्कूली छात्र-छात्राओं के दुपहिया वाहन चलाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर जितेन्द्र कुमार यादव को ज्ञापन सौंपा। स्कूली छात्र-छात्राओं को दुपहिया वाहन चलाते देखे जाने पर, अभिभावकों और स्कूल प्रशासन को पहले समझाईश देने और प्रतिबंध का उल्लंघन होने की स्थिति में अभिभावकों और स्कूल प्रशासन पर भी कार्यवाही करने की मांग की है।

उक्तशय की जानकारी देते हुए हिन्दू युवा मंच के जिला अध्यक्ष सुरेश लोहमार और शहर अध्यक्ष राजा ताम्रकार ने संयुक्त रूप से बताया कि, स्कूली छात्र-छात्राओं को दुपहिया वाहन चलाते देखना, उन्हें घर से स्कूल तक और स्कूल से वापस घर जाते देखना यह बात आम हो गई है और इसकी स्थाई रोकथाम के लिए जिला प्रशासन या पुलिस प्रशासन की तरफसे अब तक कोई प्रयास भी नहीं किए गए हैं।

आगे उन्होंने कहा किए सामान्यतः स्कूलों में बारहवीं तक की कक्षाएं लगती है और प्रायः बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं की उम्र सोलह सत्रह वर्ष तक की होती है। इन स्कूली बच्चों के पास दुपहिया वाहन चलाने का कोई लाइसेंस भी नहीं होता, बावजूद वाहन चलाने पर कोई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी नहीं की

जाती है।

हिन्दू युवा मंच ने प्रशासन से सवाल किया है कि, जब लाइसेंस के अभाव में आम नागरिकों पर चलानी कार्यवाही होती है, तब इन छात्र-छात्राओं को भला किस महान कार्य के लिए छूट दी जाती है। ये स्कूली छात्र-छात्राएं, विशेषकर लड़के तेज रफ्तार से और लापरवाहीपूर्वक दुपहिया वाहन चलाते है, अपने सिर पर हेलमेट भी नहीं लगाते, बच्चे देश का भविष्य होते हैं, ऐसे में यदि तेज रफ्तार से और लापरवाहीपूर्वक दुपहिया वाहन चलाते समय कोई सड़क दुर्घटना हो जाती है तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी भला कौन लेगा। वैसे इसे अनहोनी न कहकर, जानबूझकर जोखिम मोल लेना और बिन बुलाई दुर्घटना को न्यौता देना कहना ज्यादा सही होगा। ऐसा भी नहीं है कि, उक्त विषय की जानकारी जिला प्रशासन या पुलिस प्रशासन को न हो, यदा कदा इन्होंने भी स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म में वाहन चलाते स्वाभाविक तौर पर देखा होगा। बावजूद उन पर किसी भी प्रकार की चलानी कार्यवाही न करना प्रशासन की मौन सहमति ही कही जाएगी। आँखें मूंदने की बजाय बच्चों के पालकों और स्कूल प्रशासन को इसके लिए सख्त हिदायत दी जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की दुर्घटना के लिए अभिभावकों और स्कूल प्रशासन पर भी चलानी और दंडात्मक दोनों ही कार्यवाहियां की जानी चाहिए। साथ ही लापरवाहीपूर्वक और तेज रफ्तार से स्कूली छात्र-छात्राओं के दुपहिया वाहन की ठोकर से किसी मासूम या बेगुनाह के घायल होने की स्थिति में दुर्घटना का जिम्मेदार उनके अभिभावकों और स्कूल प्रशासन को मानकर, बड़े जुर्माने और कड़े दण्ड से दंडित कर साथ ही मुआवजे की भरपाई कराकर, पीड़ित को राहत दिलाई जानी चाहिए। इसका सकारात्मक प्रभाव यह पड़ेगा किए कानूनी कसावट बनी रहेगी और अभिभावक, बालिग होने के बाद ही अपने बच्चों को वाहन चलाने देंगे।

व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। उन्होंने बताया कि इस बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र पर किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व तथा हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस के कारण

नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सली सक्रिय थे, लेकिन विगत दो वर्षों में हमारे जवानों ने जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है, उसमें कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इससे राज्य अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है। साथ ही क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और फॉरेस्ट प्रोड्यूस के वैल्यू एडिशन पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा दोनों संभागों में सैकड़ों प्रकार के वन उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका मूल्य संवर्धन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए है और प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है और उसी के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण भी आवश्यक है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से विकास शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। साथ ही भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं।

सूरजपुर जिला के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम लड़ूवा निवासी श्री विकास शर्मा ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री विकास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें। श्री शर्मा ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

योजना का लाभ लेने कैसे करें आवेदन

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाइल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा।

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग प्रतिबद्ध - श्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में केमिस्ट के पद पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 10 चयनितों को नियुक्ति पत्र सौंपा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी भी इस दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने नव नियुक्त केमिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि केमिस्टों की संख्या बढ़ने से विभागीय जल परीक्षण प्रयोगशालाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मैदानी स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। इन नियुक्तियों से विभाग में तकनीकी रूप

से दक्ष मानव संसाधन की संख्या बढ़ी है। श्री साव ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के युवाओं में विश्वास और उत्साह बढ़ा है। युवाओं को उनकी मेहनत और प्रतिभा का उचित प्रतिफल मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त सभी केमिस्ट पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जल गुणवत्ता की निगरानी में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी ने बताया कि विभाग द्वारा स्वीकृत केमिस्ट के 12 पदों पर व्यापम के माध्यम से चयन प्रक्रिया संपन्न की गई थी। दस्तावेज परीक्षण में 11 अभ्यर्थी पात्र पाए गए, जबकि एक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहा।

बस्तर से वैश्विक मंच तक छत्तीसगढ़ पर्यटन की नई उड़ान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में इन दिनों पर्यटन विकास की एक नई और सकारात्मक इबारत लिखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण गति प्रदान की है। उनका यह दौरा केवल औपचारिक भ्रमण नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय आधारित सतत पर्यटन मॉडल को वैश्विक मानकों से जोड़ने की ठोस रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

दौरे के दूसरे दिन सुश्री किर्सी बस्तर जिले के ग्राम धुड़मारास पहुंचीं, जहां धुरवा डेरा होमस्टे में उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत

किया गया। सिहाड़ी और महुए की माला पहनाकर तथा धुरवा नृत्य और स्वागत गीतों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। आत्मीय स्वागत से अभिभूत सुश्री किर्सी ने कहा कि इस प्रकार का अनुभव उनके लिए अत्यंत विशेष और अविस्मरणीय है। यह स्वागत केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि बस्तर की सामाजिक एकजुटता और आत्मीयता का सशक्त परिचय था। प्रवास के दौरान उन्होंने बस्तर के पारंपरिक एवं जैविक व्यंजनों का स्वाद भी लिया। कलम भाजी, सेमी और बोदई की सब्जी, केले की सब्जी, उड़द दाल, इमली की चटनी, कोसरा भात तथा मंडिया पेज जैसे स्थानीय व्यंजनों से सजी थाली ने उन्हें यहां की जीवनशैली और खाद्य परंपरा से परिचित कराया। वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में स्थानीय खान-पान एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है और बस्तर की जैव विविधता आधारित खाद्य संस्कृति विदेशी पर्यटकों के लिए विशिष्ट पहचान बना सकती है। यह प्रवास विशेष रूप से यूनाइटेड नेशन से जुड़े 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' के मानकों के अनुरूप धुड़मारास और आसपास के क्षेत्रों को विकसित करने पर केंद्रित है।

संक्षिप्त समाचार

प्रोजेक्ट्स टुडे ने भारत के परियोजना इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एआई-संचालित व्यावसायिक अवसर प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया

नईदिल्ली। प्रोजेक्ट्स टुडे ने भारत के परियोजना इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एआई-संचालित व्यावसायिक अवसर प्लेटफॉर्म का अनावरण किया। यह नया प्लेटफॉर्म परियोजना जीवनचक्र संदर्भ, निविदाएं और एल1/आदेश अपडेट, तथा हितधारकों की जानकारी को एक सुविधाजनक कार्यप्रणाली में एकीकृत करता है जिससे संगठनों को सही समय पर सही परियोजनाओं से जुड़ने में मदद मिलती है।

उन्नत प्लेटफॉर्म व्यावहारिक परिणामों पर केंद्रित एआई-सक्षम विकास प्रस्तुत करता है, जिसमें बीओक्यू खोज, उप-परियोजना ट्रैकिंग, निविदा से आदेश तक की यात्रा की विजिबिलिटी, बोलीदाता और भागीदारी अंतर्दृष्टि, अवसर अनुमान उपकरण, विश्वसनीयता और विश्लेषण डैशबोर्ड तथा हितधारकों के साथ बेहतर संबंध मानचित्रण शामिल हैं। ये क्षमताएं यूजर्स की आवश्यकताओं के आधार पर प्रासंगिक अवसरों की तेजी से खोज को सक्षम बनाती हैं। संगठनों को चरण, दायरे और हितधारकों के बारे में स्पष्ट संदर्भ के साथ क्या हो रहा है से हमें आगे क्या करना चाहिए की ओर बढ़ने में मदद करती हैं।

25 से अधिक वर्षों के रिसर्च-आधारित कवरेज के साथ प्रोजेक्ट्स टुडे 50,000 से अधिक सक्रिय परियोजनाओं पर नजर रखता है जो वर्तमान में गंभीर विचार-विमर्श, योजना, निविदा प्रक्रिया या कार्यान्वयन के चरण में हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म हर महीने 1,500 से अधिक नई परियोजनाओं और 10,000 से अधिक निविदाओं के साथ 1,200 से अधिक मासिक एल1/आदेश अपडेट को कैप्चर करता है जो विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में निर्णय लेने में सहायक होता है।

इसका उद्देश्य केवल सूचना तक पहुंच से कहीं अधिक व्यापक है। इसका मूल उद्देश्य राष्ट्र निर्माण करने वालों और इसे सक्षम बनाने वालों प्रमोटरों, ठेकेदारों, सलाहकारों, आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और वित्तदाताओं के बीच अवसरों का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना है। प्रोजेक्ट्स टुडे नई तकनीक और गहन जानकारी के साथ विकसित होता रहेगा, साथ ही एक सिद्धांत पर अडिग रहेगा: ग्राहक सर्वोपरि। राष्ट्र सर्वोपरि। यह शुभारंभ प्रोजेक्ट्स टुडे के उस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत बेहतर समयबद्ध जुड़ाव, बेहतर समन्वय और तीव्र कार्यान्वयन के माध्यम से भारत की परियोजना अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा ताकि अवसर योजनाओं से साझेदारी तक और इरादों से परिणामों तक कुशलतापूर्वक प्रवाहित हों।

व्यवसायी के तौर पर पहचान बना रहीं हैं रेणुबाला

रायपुर। सामाजिक परिवेश में केवल गृहिणी की भूमिका तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से सफल व्यवसायी के रूप में पहचान स्थापित कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से महिलाओं को न केवल सामूहिक मंच मिला है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह भी मिली है। छत्तीसगढ के कोरिया जिले के विकासखंड सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत कटगोड़ी की श्रीमती रेणुबाला जायसवाल आज इसी बदलाव की मिसाल बन चुकी हैं। रेणुबाला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं और बाद में सत्यम महिला स्व-सहायता समूह में अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से उन्होंने समूह के माध्यम से बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और कपड़ा दुकान का व्यवसाय प्रारंभ किया। इस पहल से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और वे आत्मनिर्भर बनीं। रेणुबाला ने बताया कि शुरुआत में वे समूह की सदस्य के रूप में छोटे लेनदेन से जुड़ी रहीं। बाद में समूह को आरएफराशि तथा सीआईएफके रूप में 60 हजार रुपये प्राप्त हुए। सफल संचालन के बाद बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने कपड़ा व्यवसाय को विस्तार दिया।

पहले उनके परिवार की वार्षिक आय लगभग 70 हजार रुपये थी, जो अब बढ़कर 2 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के बाद उनके सामाजिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। पहले वे केवल गृहिणी के रूप में जिम्मेदारी निभाती थीं, लेकिन अब परिवार के हर महत्वपूर्ण निर्णय में उनकी सक्रिय भागीदारी होती है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट पशु विकास दिवस के माध्यम से 'सर्वोत्तम सेवा' में अग्रणी; 1.55 लाख ग्रामीणों पर उत्पन्न किया सकारात्मक प्रभाव

रायपुर : भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 14 फरवरी 2026 को अपनी प्रमुख पशु कल्याण एवं ग्रामीण आजीविका पहल, पशु विकास दिवस के आठवें संस्करण का सफल समापन किया। 'सर्वोत्तम सेवा: पशु, परिवार और प्रगति' की थीम पर आधारित इस पहल ने पशुओं के स्वास्थ्य, परिवार के कल्याण एवं स्थायी प्रगति को बढ़ावा देकर समग्र ग्रामीण विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाया।

2014 में लॉन्च किया गया पशु विकास दिवस पशु मालिकों को नि:शुल्क वेटेरीनेरी सेवाएं और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्यसेवा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करता है। पिछले सालों के दौरान यह पहल देश के सबसे बड़े एक दिवसीय पशु कल्याण प्रोग्रामों में से एक के रूप में उभरी है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1.55 लाख से अधिक ज़िंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, जिसके तहत तकरीबन 1.4 लाख पशुओं का इलाज किया गया, 14,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्यसेवाओं में सहयोग दिया गया, इससे 30,000 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। इस पहल का संचालन 16 राज्यों में 510

एसएमएफजी ग्रामशक्ति शाखाओं में किया गया, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की गहरी पहुंच को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में पशु विकास दिवस का आयोजन 17 लोकेशनों में किया गया, जिसके तहत तकरीबन 4000 पशुओं को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराई गई और 650 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। हर कैम्प में स्थानीय वेटेरीनेरी डॉक्टरों ने पशुओं की नि:शुल्क जांच की, पशुओं के लिए मुफ्त दवाएं बांटी गई, टीकाकरण किया और दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सलाह दी गई।

इस पहल के सफल समापन पर बात करते हुए श्री रवि नारायणन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, "सर्वोत्तम सेवा सर्वोच्च मानकों की सेवाएं उपलब्ध कराने के बारे में है- जहां सहानुभूति के साथ प्रभाव और इरादे का संयोजन गहरा प्रभाव उत्पन्न करता है। ग्रामीण भारत में पशुओं का स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति एक दूसरे के साथ गहराई से जुड़े हैं। पशु विकास दिवस पशुओं की देखभाल, आजीविका के सशक्तीकरण और समुदायों के कल्याण को समर्थन देकर इस सिस्टम को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य ऐसे स्थायी परिणामों का निर्माण करना है जो किसान के परिवार को सशक्त बनाएं और बुनियादी स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा दें।"

पिछले सालों के दौरान इस पहल को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिले हैं जो इसके प्रभाव और पैमाने की पुश्टि करते हैं। पीवीडी को 2015 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में, 2018 में बेस्ट ऑफइंडिया रिकॉर्ड्स में, 2019 में वर्ल्ड बुक ऑफरिकॉर्ड्स में तथा 2024 में एक ही दिन में सबसे बड़े राष्ट्रव्यापी पशु देखभाल शिविरों के आयोजन के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड्स युनियन में शामिल किया गया। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 2025 में एक उल्लेखनीय विश्वस्तरीय उपलब्धि हासिल की, जब पशु विकास दिवस ने देश भर की कई लोकेशनों में एक साथ 'सबसे बड़े कैटल वैलफेयर लैसन' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया- जिससे ग्रामीण कल्याण, पशुओं की देखभाल और बड़े पैमाने पर सामुदायिक विकास के लिए कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
Raipur (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

(First Call)

NIT NO599 /NNR/Electrical /RMC/2026 RAIPUR DATED: 24.02.2026

Online bids are invited for the following works in form B up to 17.03.2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1	186173	नगर पालिक निगम रायपुर अंतर्गत. 1 186173 मल्टीलेवल पार्किंग कलेक्ट्रेट चौक एवं फुंडहर में स्थापित लिफ्टों का वार्षिक संधारण कार्य (वर्ष 2026-27) बाबत।	11.66 Lacs	1500.00	11660.00	12 Month	NON SOR

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 24.02.2026 17:30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18002582502 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact no. 7898810000

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

संपादकीय

कमान श्रृंखला को लेकर प्रश्न

देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने लद्दाख क्षेत्र में 2020 में हुई घटनाओं के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की कथित रूप से अप्रकाशित किताब कैसे छपे रूप में और उसकी पीडीएफ कॉपियां आम लोगों तक पहुंच गईं, यह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया के लिए अहम मसला हो सकती है, लेकिन देशवासियों के सामने यह मुख्य मुद्दा नहीं है। देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने 2020 में भारतीय सीमा के अंदर चीन की पैठ बनने और उसी क्रम में कैलाश रेंज में हुई घटना के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान शृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। चूंकि उससे सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व सवालों के घेरे में आया है, तो कुछ दूसरे हलकों से जनरल नरावणे के कर्त्तव्य निर्वाह के रिकॉर्ड पर निशाने साधे गए हैं। पूछा गया है कि जब मई- जून 2020 से चीनी सेना ने लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाके में घुसपैठ की, तो उसे रोकने में भारतीय सेना क्यों नाकाम रही? उस दौरान खुद जनरल नरावणे के दिए कुछ बयानों का उद्धरण देते हुए कहा गया है कि तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने चीनी कार्रवाइयों की गंभीरता की या तो उपेक्षा की अथवा उन्होंने उससे देश को नावाकिफ रखा। उधर जनरल नरावणे की किताब से संकेत मिलता है कि सेना को 'टॉप' से बिना अनुमति के फायरिंग ना करने का निर्देश था। इसी बीच एक संकटपूर्ण मौका आया और तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने दिशा-निर्देश मांगा, तो राजनीतिक नेतृत्व ने पहले तो लेट-लतीफी की और फिर उन पर डाल दिया गया कि जो उचित लगे उसे वे करें। विशेषज्ञों के मुताबिक इस पूरे प्रकरण में युद्ध संबंधी टैक्टिकल, ऑपरेशनल, एवं स्ट्रेटेजिक निर्णय प्रक्रिया घालमेल का शिकार हो गई लगती है। चूंकि ये बात बहुचर्चित हुई है, तो भारत के 'दुश्मनों' ने भी उस पर गौर किया होगा। इसलिए असल सवाल ऐसी कमजोरियों को तुरंत दूर करने का है। जरूरी यह है कि इस पर समग्र चर्चा हो और जवाबदेही की श्रृंखला तय की जाए। इसके विपरीत किताब कैसे सार्वजनिक हो गई, जैसे मुद्दे को योजनाबद्ध ढंग से तरजीह दी जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रकाशक के साथ-साथ पुस्तक लेखक भी इसमें सहयोगी बन गए हैं।

समझौते की घोषणा किसी को पता नहीं

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है? क्या कैबिनेट में विचार हुआ? मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ? सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की? क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की? साझा घोषणा क्यों नहीं हुई? याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी? ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांच' यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती? पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती! लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था। हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं'। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है। पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे।

पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर: भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

संजीव चोपड़ा

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है।

शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ('अन्न चक्र') का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं।

वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस-वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।

भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है। कुल 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस कार्यक्रम में, अधिक जवाबदेही कोई मामूली सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा ढांचे की संरचनात्मक मजबूती का प्रतीक है।

(लेखक खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

मनखे मनखे एक बरोबर को चरितार्थ करता छत्तीसगढ ही नहीं भारतवर्ष का पवित्र तीर्थ गिरौदपुरी धाम-राजमहंत पी एल कोसरिया

गिरौदपुरी मेला पर विशेष

राजमहंत पी एल कोसरिया

छत्तीसगढ में स्थित भारतवर्ष का पवित्र तीर्थ,परम पूज्य गुरु घासीदास जी के जन्म भूमि गिरौदपुरी धाम में प्रत्येक वर्ष की फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी छठ सप्तमी को इस वर्ष भी 2026 गिरौदपुरी में 03 दिवसीय विशाल संत समागम मेला गुरु दर्शन मेला- 22 फरवरी 2026 रविवार 23 फरवरी सोमवार एंव 24 फरवरी मंगलवार 2026को आयोजित है । गिरौदपुरी धाम को धार्मिक सद्भावना एवं आस्था का केन्द्र माना जाता है। गिरौदपुरी धाम सतनाम संप्रदाय के तीर्थ स्थल रूप में प्रसिद्ध है। जहां वर्ष 1935-36से गुरु दर्शन मेला लगते आ रहा है । गुरु घासीदास जी के वंशज जगत गुरु गोसाई अगम दास जी द्वारा अपने राजमहन्तो के साथ मेला की शुरूआत किया गया था। यह मेला पहले 1958-59तक गुरु घासीदास जी के जन्म दिन माघ पूर्णिमा में लगता था, उसी समय निकट में शिवरीनारायण का विशाल मेला भी लगा रहता था, जिससे गिरौदपुरी धाम मेला का स्वतंत्र या व्यापक रूप में आयोजन नहीं होने के कारण गुरु माता मिनीमाता जी से राजमहन्तो सलाह मशविरा कर उनके मार्गदर्शन में जन्म भूमि, मुख्य मंदिर, छाता पहाड़ में सराई लकड़ी का जैत खाम स्थापित करने का निर्णय लिया एवं ग्राम सपोस तहसील महासमुंद जिला रायपुर निवासी वर्तमान जिला महासमुंद महंत रनसाय कोसरिया राजमहंत एवं ग्राम छतवन निवासी मंडल बुड़गुदास द्वारा 1959-60के दशक में भैंसा गाड़ी के माध्यम आवागमन सुविधा नहीं होते भी बीहड़ जंगल के रास्ते जैत खाम लाकर गुरु माता मिनीमाता के मार्गदर्शन में स्थापित किया गया।

मुख्य मंदिर परिसर में जोड़ा जैत खाम वर्तमान में 8-9वर्षपहले बदलकर नया स्थापित किया गया है किन्तु जन्म भूमि में आज भी पुरातन जैतखाम विद्यमान है,और यह पवित्र मेला फाल्गुन शुक्ल पक्ष तीज चौथ पंचमी को शुरुवात किया गया।

मेला का संचालन गुरुओं के मार्गदर्शन में समाज द्वारा सामाजिक संगठन के माध्यम से किया जाता रहा है। गिरौदपुरी धाम में यहां मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल , प्रकाश चन्द्र सेठी, अर्जुन सिंह,जी लगातार आगमन पर मेला का स्वतंत्र प्रचार प्रसार एवं विकास होने लगा। कुछ समय सतनाम सेवा संघ कृषक नगर जोरा रायपुर द्वारा भी संचालन व्यवस्था किया जाता रहा। स्वतंत्र रूप से संचालित होने व प्रचार प्रसार होने से के बाद दर्शनार्थियों के अपार जनसमूह का आना जाना शुरू हुआ।

वर्ष 1981-82में जगत गुरु गोसाई गुरुगद्दी नशीन विजयकुमार जी मध्यप्रदेश शासन के मंत्रिमंडल मे रहते उन्हें शासन द्वारा गिरौदपुरी धाम के विकास हेतु मेला कमेटी के अध्यक्ष बनाया गया और उनके मार्गदर्शन में मेला प्रति वर्ष आयोजित एवं संचालित होते रहा है ।

मेला में दर्शनार्थियों श्रद्धालुओं का अपार जनसमूह को देखते हुए गिरौदपुरी मेला कमेटी के अध्यक्ष जगत गुरु गोसाई विजयकुमार जी द्वारा समय बढ़ाकर तिथि फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी छठ सप्तमी कर दिया गया । मेला राष्ट्रीय स्तर पर पर प्रचारित होने लगा।

फिर इसी तिथि को मेला लगने लगा। जगत गुरु गुरुगद्दी नशीन विजयकुमार जी के अध्यक्ष रहते छत्तीसगढ़ अलग होने पर वर्ष 2002-2003मेंतत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी जी द्वारा कुटुब मीनार से ऊंचा जैत खाम स्थापित करने की घोषणा की गई ,किन्तु उनके द्वारा कार्य सम्पन्न नहीं हुआ ,,सरकार बदल गया। छत्तीसगढ़ शासन के तत्कालीन मुख्यमंत्री रमनसिंह द्वारा सतनामी समाज के आस्था के अनुरूप विश्व से सबसे ऊंचा जैत खाम बनाने का संकल्प लिया और पूर्ण कर संत समाज को समर्पित किया। उनका नाम भी परम पूज्य गुरु घासीदास जी के पावन भूमि पर इतिहास में दर्ज हो गया, वे सदा याद किये जाएंगे।

यह केवल संत समागम गुरु चरण दर्शन मेला है यहां पर किसी प्रकार का सर्कस,सिनेमा नाच गम्मत का आयोजन या प्रदर्शन नहीं होता। सिर्फ सतनाम भजन सत्संग चौका आरती पूजा की जाती है।

गिरौदपुरी में जनसैलाब भीड, आश्चर्यचकित कर देने वाले इस विशाल मेले में देश -विदेश एवं सतनात धर्म के अनुयायी लोग 20 -25 लाख तक की संख्या में इकट्ठे है।

श्रद्धालु/दर्शानिकों संत साधु महात्मा द्वारा गुरू बाबा के जन्मभूमि एवं मुख्य मंदिर, गुरू गद्दी,चरण कुण्ड,अमृत कुण्ड,छाया पहाड़,पंच कुण्डी,गौ जीवन दान स्थल,सफुरा माता जीवन दान स्थल,अमर गुफा आदि पूज्य स्थल का दर्शन कर, अपनी मनोकामना को पूर्ण करते हैं ।

जिसमें जितने भी श्रद्धालु आते है,सभी तीन दिनों तक गुरु बाबा घासी साहेब की आरती पूजा और गुरु जी की चौका ,निर्गुण भजन कीर्तन कर बाबा जी के ही गुणगान करते है। अपने शरीर एवं आत्मा को शुद्ध करने के लिए सभी श्रद्धालु पवित्र जोक नदी में स्नान कर अमृत कुंड ,चरण कुंड की पवित्र जल अमृत का पान कर अपने आपको पवित्र कर लेते है।

इस पवित्र तीर्थ स्थल गिरौदपुरी धाम पहुंचने के लिए छ0ग0 का पर्यटन मंडल केन्द्र और कोलकाता, नई दिल्ली, नागपुर , से वायु मार्ग या रेल मार्ग से रायपुर, या बिलासपुर और रायपुर या बिलासपुर से राज मार्ग में बस के माध्यम आवागमन की बारह मासी सुविधा है । रात्रिकालीन विश्राम हेतु समीप में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा मड़वा में वातानुकूलित सतनाम धर्म शाला में सुविधाएं उपलब्ध है।

परम पूज्य गुरू घासीदास बाबा जन्म स्थली गिरौदपुरी, 18 वी शताब्दी के महान संत सतनाम संप्रदाय के प्रेणता एवं सामाजिक क्राति के अग्रदूत गुरू घासी दास बाबा का माघ पूर्णिमा 18 दिसम्बर 1756 को जोक के तट छत्तीसगढ (अविभाजित मध्यप्रदेश) के पावन भूमि पर स्थित पवित्र ग्राम गिरौदपुरी में जन्म हुआ। माता-अमरौतिन और पिता - महगुदास है। परम पूज्य गुरू घासीदास जी ने माता सफुरा से विवाह किया। गुरु घासीदास बाबाजी को अमरदास, बालकदास, आगरदास, अड़गड़िया दास और सहोद्रा माता आदि पुत्र/पुत्रियॉ की प्राप्ति हुई।

ग्राम-गिरौदपुरी परम पूज्य गुरू घासीदास जी की तपोभूमि है। गुरू घासीदास बाबा जी ने मानवता सत्य अहिंसा, सदाचार, सद्भावना नारी सम्मान विश्व बंधुत्व, स्नेह,प्रेम सतकर्म का भावना जगाया।

परम पूज्य गुरू घासीदास जी गिरौदपुरी से भण्डारपुरी-तेलासीपुरी में भी निवासरत रहे वर्ष 1820से वर्ष 1840 के बाबा जी अपने जीवन काल में सतनाम पंथ की स्थापना कर जीवन सतनाम रूपी महामंत्र दिया । गुरु घासी दास बाबा जी ने ,,मनखे मनखे एक बरोबर,, के आपने उद्घोष से पूरे मानव समाज को एक सूत्र में पिरो दिए ।

जिससे तेलसी पूरी धाम भंडारपुरी धाम एवं पूरे मध्य भारत की बहुत से जाति जैसे तेली, रावत, लोहार, गोड़, और कई अन्य जाति समूह ने सपरिवार सतनाम पंथ अंगीकार किया। बाबा गुरु घासी दास जी की अमृत वाणी दिव्य सतनाम सन्देश 42अमृत वाणी 7संदेश ने मानव समाज में सामाजिक सद्भावना समरसता स्थापित करने सहायक सिद्ध हुआ। अनेक जाति जनजाति समूह ने गुरु घासीदास जी के सत्कर्मों से प्रभावित होकर सतनाम पंथ को माने और अपने आपको सतनामी समाज में समाहित कर लिए उस समय की इतिहाकार लोग बताते है कि सतनाम पंथ की सतनामी जाति में लगभग चार लाख से अधिक लोग बाबा गुरु घासी दास जी की सतनामी, सतनाम पंथ को धारण किए थे। जिसमें विभिन्न धर्म जाति के लोग थे,और अनेक चमत्कारी कार्य भी किये। तेलासीपुरी धाम जहां उनके वंशज गुरूआसम दास गुरुगोसाई आज भी उसके परिवार निवासरत हैं। भण्डारपुरी में आज की स्थिति में राजा गुरु ,धर्म गुरु बालकदास साहेब जी एवं गुरु वौसज उनके मोतीमहल, भव्य मंदिर गुरु गद्दी आज भी प्रमाणित है।

ऐसे ही उनके वंशज गुरू मुक्ति दास साहेब जी व गुरु वंशज खड्डवापुरी धाम में निवास रत है, जहां प्रत्येक सोमवार की संध्याकालीन सत्र में गुरू मुक्ति दास जी द्वारा जल समाधि लेना एवं महाआरती प्रख्यात है।

अदभुत, चमत्कारो के कारण भण्डारपुरी ,चटुवापुरी,खडुवापुरी में भी यहां भव्य मेला लगता है।

गिरौदपुरी धाम में सिर्फ गूरूगद्दी पूजा गुरु स्थापना, मंगल भजन,पंथी, नृत्य, सत्संग, मंगल भजन, सत्संग ,चौका-आरती, आस्था के साथ सूखा लहरा(भूंइया नापना) और कार्यक्रम भी होते है।

पवित्र गिरौदपुरी में निम्न दार्शनिक स्थल जो धार्मिकस्थल है और श्रद्धालुओ का आकर्षण केन्द्र है- (1)गुरू घासी दास बाबा बाबा की मुख्य गुरूगद्दी, (2)विश्व का सबसे ऊंचा जैतखाम, (3)औरा-धौरा का पेड, (4)चरणकुंड, (5) अमृतकुण्ड (6) छाता पहाड (7) पंचकुंडी (8) गुरू घासी दास बाबा की जन्म स्थली (9) सफुरा माता की महिमा स्थल एवं जीतराम तालाब (10)पंच कुंडी दर्शन स्थल(11(सफुरा माता मठ जीवन दान स्थल (11)बाघ पंजा स्थल (12) मृत बछिया (गौमाता) को जीवन दान, (13)बहेरा डोली, (14)जोंक नदी में हाथी का निशान आदि के साथ-साथ अनेक कर्म स्थल।

छत्तीसगढ़ भुइंया की माटी गिरौदपुरी धाम। आस्था का केन्द्र जो प्रकृति के चमत्कारो से परिपूर्ण आस्था केन्द्र है, इसके साथ-साथ रायपुर बलौदाबाजार मार्ग पर खरोरा आगे स्थित भण्डारपुरी एवं तेलासी बाडा भी है। भण्डारपुरी एवं तेलासी में भी आस्था के भव्य मेला लगता है। गिरौदपुरी ऐतिहासिक नगरी के लिए प्रसिद्ध है। आस्था के इस भव्य मेले में श्रद्धालूओ/दर्शानिको द्वारा तपोभूमि में पहुंचकर लाखो लोग गुरूगद्दी पावन दर्शन करते है और अपनी मनोकामना को पूर्ण करते है। मेला के प्रथम दिवस में जगत गुरु गोसाई विजयकुमार जी उनके पुत्र जगत गुरु गोसाई गुरुगद्दी नशीन रूद्रकुमार जी द्वारा अपने राजमहन्तो के साथ सबसे ऊंचा जैत खाम में तथा पंच कुंडी धाम पूजा अर्चना कर पालो चढ़ावा कार्यक्रम सम्पन्न करते हैं ।दूसरे दिवस छाता पहाड़ में पालो चढ़ाया जाता है एवं अंतिम दिन मुख्य मंदिर इव जोड़ा जैतखाम में जगत गुरु गोसाई विजयकुमार जी जगत गुरु गोसाई गुरुगद्दी नशीन रूद्रकुमार जी द्वारा अपने राजमहन्तो के साथ पालो चढ़ावा कार्यक्रम सम्पन्न करते हुए संत समाज को आशीर्वाद प्रदान कर शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं ।

सभी गुरू धामों के गुरु वंशज अपने संत महंतों के साथ भारी संख्या में बाबा गुरू घासीदास जी के पवित्र जन्म स्थली गुरू गद्दी एवं जोड़ा जैतखाम का पूजन करते हैं।

गुरु वंशज गिरौदपुरी आकर समस्त जन मानस एवं संत समाज की मंगलकामना करते हुए संत समाज को दर्शन लाभ देते हैं। गुरू वाणी आशीर्वाद पश्चात मेला का समापन होता हैं।

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार होने पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने दिनों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

- श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।
- एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।
- घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।
- मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

- हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है।
- स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है।
- ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

- अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।
- ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।
- यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।
- शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा का आज बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन नगरी दंतेवाड़ा आगमन हुआ। उनके आगमन पर भारतीय जनता युवा मोर्चा, दंतेवाड़ा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने प्रवास के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे बाल अधिकारों और संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को इनका लाभ मिल सके। अपने दौरे के दौरान डॉ. शर्मा ने माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली, सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत प्रदेश की पहचान है और माँ दंतेश्वरी का आशीर्वाद समस्त छत्तीसगढ़वासियों पर बना रहे, यही उनकी कामना है। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष राहुल असरानी, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, जिला मंत्री द्वय गौरव भवानी,विशेष सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी आर्यन शर्मा,मंडल महामंत्री बालकृष्णा, दीपेश पटेल, रंजीत नाग सहित युवा मोर्चा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेड़ पर सड़ी-गली अवस्था में लटका मिला युवक की लाश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ - लगातार कुछ दिनो से सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के अलग अलग क्षेत्र से मौत की खबर सामने आ रही 24 घण्टे बीते नहीं हत्या की घटना को एक बार फिर सिटी कोतवाली सारंगढ़ क्षेत्र से एक युवक का शव लटका हुआ मिला जिसकी खबर निकल कर सामने आ रही है आपको बता दे सारंगढ़ जिले के ग्राम दर्राभाठा खार क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। शव सड़ी-गली अवस्था में होने से आशंका जताई जा रही है

खेत की ओर गए ग्रामीणों ने पेड़ पर लटकता शव देखा, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। गाँव के कोटवार और ग्राम पटेल ने तत्काल इसकी सूचना सारंगढ़ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर घटना स्थल के लिए रवाना हो रहा हैँ सूत्र बता रहे की जिस लड़के की बॉडी पेड़ पर सड़ी गली स्थिति मे हैँ ओ मृतक हरदी निवासी बताया जा रहा है जिसकी उम्र तक़रीबन 17 से 20 वर्ष बताया जा रहा है वेश भूषा से कुछ लोगो का कहना है की ये आयुष आंचल बताया जा रहा हैँ जो की कई 17 तारीख से घर से निकल गया था जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी परिजनों ने थाने मे दर्ज कराई हैँ लेकिन अब एक हफ्ते से ज्यादा दिन गुजर गए घर नहीं लौटा और आज ग्रामीणों ने पेड़ पर लटका हुआ उन्हें ग्रामीणों ने देखा है फ़िलहाल यह आत्महत्या हैँ या फिर हत्या इसकी जाँच पुलिस करेंगी फ़िलहाल बॉडी पूरी तरह से गल चूका हैँ फ़िलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बिजली चोरी और हुकिंग करने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर

बिजली बिल की बचत के लिए सोलर पैनल लगाने की अपील

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बिजली चोरी और अवैध हुकिंग की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में त्वरित एवं दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिजली चोरी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि बिजली चोरी के कारण शासन को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ता है। अवैध हुकिंग और अनियमित कनेक्शन से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है, जिससे ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त भार पड़ता है और बार-बार फॉल्ट की स्थिति निर्मित होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर विशेष अभियान चलाया जाए जहां बिजली चोरी की शिकायतें अधिक प्राप्त हो रही हैं।

कलेक्टर ने कहा कि बिजली चोरी रोकने के लिए विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, किंतु इसमें जनसहभागिता भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अवैध हुकिंग या बिजली चोरी की जानकारी विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिन उपभोक्ताओं की बिजली खपत अधिक है, वे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में सोलर पैनल लगाने की सलाह दी। इससे न केवल बिजली बिल में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि सोलर ऊर्जा संबंधी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

कलेक्टर ने राजस्व व विद्युत विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर बकाया वसूली, मीटर जांच और अवैध कनेक्शन की जांच करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से ही बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। साथ ही, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि, लाइन सुधार एवं मेंटेनेंस कार्यों को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

स्व. श्री सुरेश कुमार-कल्पना ढोके की पुत्री खुशबू ढोके को मिली पी.एच.डी. की उपाधि

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग-भिलाई नगर निगम के क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक विकास के क्रियान्वयन में सहायक अत्यन्त महत्वपूर्ण तथ्यात्मक शोध प्रबंध प्रस्तुत करके खुशबू ढोके ने पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है, यह शोध प्रबंध इन्होने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर महाविद्यालय, दुर्ग के वाणिज्य संकाय के शोध निर्देशक डॉ. शशिनाथ झा के कुशल मार्गदर्शन में ट्वीन सिटी (दुर्ग-भिलाई) के सामाजिक और आर्थिक विकास में दुर्ग एवं भिलाई नगर निगम की भूमिका विषय पर पूरा करके सफलता अर्जित की है, शोधार्थी सुश्री खुशबू ढोके ने दुर्ग-भिलाई नगर निगम के सामाजिक आर्थिक विकास के अतिरिक्त अन्य सभी पहलूओं का सूक्ष्म विवेचन कर सविस्तार इस कठिन एवं श्रमसाध्य शोध प्रबंध के तथ्यों, आंकड़ों एवं निष्कर्षों को छत्तीसगढ़ शासन, दुर्ग-भिलाई नगरीय निकाय क्षेत्र के आधारभूत संरचना एवं विकास के संदर्भमें यथोचित स्थान देगी, ताकि ट्वीन सिटी के रूप में विकसित हो रहे दोनो नगरीय निकाय भविष्य में व्यवस्थित और समावेशित विकास कर सकें। ज्ञातव्य है कि लोक कल्याण से संबंधित सभी शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में इस प्रकार के शोधपरक तथ्यों तथा आंकड़ो की उपलब्धता अत्यन्त उपयोगी होती है, तथा इसी आधार पर योजनाकार, विकास की योजनाओं को मूर्तरूप देते है। चन्दूलाल चन्द्राकर शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, धमधा, जिला-दुर्ग से सेवानिवृत अपने पिता स्व. श्री सुरेश कुमार ढोके एवं अपनी माता श्रीमती कल्पना ढोके की प्रेरणा व भाईयों आभाष ऋषभ तथा चाचा रवि-मुकेश ढोके के सहयोग से सुश्री खुशबू ढोके ने उपरोक्त विषय पर शोध यात्रा प्रारंभ कर दृढ़ निश्चय से सफलता पायी है, इस उत्कृष्ट सफलता के लिए शोध निर्देशक डॉ. शशिनाथ झा के अतिरिक्त सहयोगी प्राध्यापक व विभाग के सभी कर्मियों ने सुश्री खुशबू ढोके को बधाईयाँ दी है ।

हेलिपैड निर्माण के विरोध में छात्र संगठन ने खोला मोर्चा, छात्रों ने दिया तहसीलदार को ज्ञापन

किरन्दुल शासकीय महाविद्यालय में बिना अनुमति हेलिपैड निर्माण मामले ने पकड़ा तूल, छात्रों ने कॉलेज प्राचार्य के खिलाफखोला मोर्चा।

छात्रों ने जताया विरोध,हफ्ता भर में अगर निर्माण नही रोका गया तो मैदान बचाने कॉलेज छात्र स्वयं तोड़ेंगे हेलिपैड।

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरन्दुल शासकीय अरविंद महाविद्यालय के अधिकार क्षेत्रान्तर्गत स्थित मैदान में जिला प्रशासन द्वारा करवाये जा रहे हेलिपैड निर्माण के विरोध में दो दिनों से कॉलेज छात्र एवं एनएसयूआई छात्र संगठन ने कॉलेज के प्राचार्य के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था । विगत दो दिनों से चल रही गहमागहमी के बाद आज जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मामले का निपटारा किया गया । एनएसयूआई के नेतृत्व में छात्रों ने बीते दिन आपत्ति दर्ज करवाते हुए कॉलेज के प्राचार्य से सवाल किए थे कि किसकी अनुमति से यह कॉलेज मैदान हेलिपैड निर्माण के लिए दिया गया । जिस पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओ में कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि अरविंद महाविद्यालय के एकमात्र मैदान मे बिना कॉलेज प्रबंधन से अनुमति प्रमाण पत्र लिये यह हेलिपैड निर्माण गलत है ।

अरविंद महाविद्यालय के छात्रों ने कहा कि अगर कॉलेज में कुछ निर्माण ही करवाना है तो हमे स्वच्छ जल, साफ शौचालय, कॉलेज के लिए छात्रावास और बाउंडरी वाल दिए जाएं जिसकी कॉलेज परिसर में सख्त जरूरत है जबकि इस हेलिपैड निर्माण से हमे हमारे ग्राउंड से भी हाँथ धोना पड़ेगा । छात्रों ने कहा कि यह एकमात्र मैदान जहाँ पर हमारा वार्षिक महोत्सव एवं खेल - कार्यक्रम होता है और यहां पर भी अगर हेलीपेड बन जायेगा तो हम कहा जाएंगे । छात्रों ने आगे कहा कि अगर हफ्ता भर में यह निर्माण बंद कर मैदान को यथावत नही किया गया तो वे सभी स्वयं मिलकर इस इस हेलिपैड को तोड़ेंगे । इस विरोध प्रदर्शन में एनएसयूआई कार्यकर्ता के तरफ से राकेश मंडावी, वेदांत पाण्डेय, त्रिशांक ठाकुर, कविश कर्मा, ऋषभ साहू, आयुष, अभिषेक सिंह, वरुण ठाकुर, जय रेड्डी, हेमलाल एवं अन्य कार्यकर्ता सहित कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद थी

होली से पहले किसानों को बड़ी सौगात

28 फरवरी को किसानों के खाते में होगा धान बोनस राशि का अंतरण

कलेक्टर ने बैठक लेकर तैयारियों के लिए दिए आवश्यक निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) शासन द्वारा होली त्यौहार के पहले किसानों को बड़ी सौगात दी जा रही है। धान खरीदी की अंतर की राशि (बोनस) का अंतरण किसानों के बैंक खाते में 28 फरवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय धान बोनस वितरण कार्यक्रम में प्रदेशवासियों एवं किसानों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का संबोधन सभी ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम स्थलों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीधा प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री चयनित किसानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधी बातचीत भी करेंगे।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को धान बोनस वितरण कार्यक्रम को गरिमामय तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विकासखंड मुख्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गर्भाशय कैंसर की रोकथाम पर प्रशिक्षण आयोजित

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को जागरूकता और स्क्रीनिंग बढ़ाने के निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) महिलाओं में होने वाले गर्भाशय कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) की रोकथाम एवं जागरूकता को लेकर कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विकासखंड लोरमी, पथरिया एवं मुंगेली के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भाशय कैंसर के कारण, लक्षण, जांच प्रक्रिया और समय पर उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भाशय कैंसर महिलाओं में होने वाली एक गंभीर बीमारी है, जिसे प्रारंभिक अवस्था में नियमित जांच के माध्यम से पहचाना जा सकता है।

मास्टर ट्रेनर डॉ. शीला साहा ने प्रशिक्षण में महिलाओं को नियमित स्क्रीनिंग और टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए, ताकि इस बीमारी से होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। डॉ. मनीष बंजारा ने एनसीडी एप्प के संबंध में एन्ट्री सहित अन्य जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिंग एवं एनक्यूएएस की आगामी तैयारियों को लेकर भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता सुधार एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

एन्टी नारकोटिक टास्क फ़ोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की कार्यवाही

अवैध मादक पदार्थ गांजा के तस्करो पर महासमुंद पुलिस कि एंड टू एंड कार्यवाही अंगुल ओडिशा से अकोला महाराष्ट्र के आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की एक मारूती सुजुकी ईक्को कार क्रमांक ओ डी 19 टी 6003 एवं उसके पीछे एक टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 में उडिसा की ओर से अवैघ मादक पदार्थ गांजा लेकर आ रहे है कि सूचना से एनएच 53 रोड रेहटीखोल पहूंच कर नाकाबंदी किये जहां कुछ समय बाद एक मारूती सुजुकी ईक्को कार क्रमांक ओ डी 19 टी 6003 में बैठे व्यक्ति अपना नाम 1 शिवा साहू पिता विश्वनाथ साहू उम्र 40साल साकिन एवं थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा बगल सीट में बैठी महिला अपना नाम 2 निलो फर शफी पति मो0शफी उम्र 40 साल साकिन फिलदोस कॉलोनी मोतीवाल थाना अकोटफेल जिला अकोला महाराष्ट्र एवं उसके पीछे सीट में बैठे व्यक्ति अपना नाम 3 सुल्तान खान पिता समरोज खान उम्र 34 साल साकिन पंजरापुल दिन क्यूरी रोड थाना टाम्बे जिला चेम्बूर महाराष्ट्र, 4 नरोत्तम बेहरा पिता गोविन्द बेहरा उम्र 40 साल साकिन बहालसाही थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा, 5 सुशील साहू पिता निलंकठ साहू उम्र 34 साल साकिन बहालसाही थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा थाना छेन्दीपदा का निवासी बताये जो एक टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 का पायलेटिंग करते आना बताये तब टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 के डायवर सीट में बैठा व्यक्ति को नाम पता पूछने अपना नाम 6 दिलशाद खान पिता शाहिब खान उम्र 33 साल साकिन चन्नी डोरिया थाना अमौर जिला बिहार एवं बगल सीठ में बैठा व्यक्ति अपना नाम 7 शेख जब्बार पिता शेख जफ्फार उम्र 27 साल साकिन ?फिरदोस कालोनी मोतीवाल थाना अकोटपेल जिला अकोला महाराष्ट्र 8- बुधु भूतिया पिता धोबा भूतिया उम्र 29 साल साकिन छेन्दीपदा थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा का होना बताये टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 के डिक्की एवं पीछे सीट में प्लास्टिक बोरी के अंदर गांजा रखना बताये एवं उक्त गांजा को अंगुल उडिसा से अकोला (महाराष्ट्र) ले जाना बताये । तथा जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए थाने में आरोपियों से 137 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त, कीमत 68,50,000/- रुपये एवं परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन गांजा परिवहन में प्रयुक्त वाहन एक टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 कीमती 4,00,000 रूपये, एवं गांजा परिवहन में प्रयुक्त वाहन एक मारूती सुजुकी ईक्को कार क्रमांक ओ डी 19 टी 6003 कीमती 2,00,000/-रूपये एवं 07 नग मोबाईल कीमती 27,000 रूपये, व नगदी रकम 11,400/-रूपये कुल जुमला 74,88,400/- रूपये को जप्त किया गया है। आरोपियो का कृत्य अपराध धारा (20बी (दो)(सी), 29 -1) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से आठ आरोपियो को विधिवत गिर0 किया जाकर थाना सिंघोड़ा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण के आरोपियो को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश की कार्यवाही की जा रही है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

जप्त सम्पत्ती:-

01. 137 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त, कीमत 68, लाख 50, हजार /- रुपये।

02 . परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन (एक टोयटा कार क्रमांक एम एच 01 बी के 4102 कीमती 4,00,000 रूपये, एवं एक मारूती सुजुकी ईक्को कार क्रमांक ओ डी 19 टी 6003 कीमती 2,00,000/-रूपये ।

03. 07 नग मोबाईल कीमती 27,000 रूपये, व नगदी रकम 11,400/-रूपये कुल जुमला 74,88,400/- रूपये

गिरफ्तार आरोपियो का नाम-

श्रोत प्वाइंट जहां से गांजा लिया गया ,जिला अंगुल ओडिशा

01- शिवा साहू पिता विश्वनाथ साहू उम्र 40साल साकिन एवं थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उड़ीसा

02 बुधु भूतिया पिता धोबा भूतिया उम्र 29 साल साकिन छेन्दीपदा थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा

परिवहनकर्ता

03- महिला निलो फर शफी पति मो0शफी उम्र 40 साल साकिन फिलदोस कॉलोनी मोतीवाल थाना अकोटफेल जिला अकोला महाराष्ट्र

04- सुल्तान खान पिता समरोज खान उम्र 34 साल साकिन पंजरापुल दिन क्यूरी रोड थाना टाम्बे जिला चेम्बूर महाराष्ट्र,

05-नरोत्तम बेहरा पिता गोविन्द बेहरा उम्र 40 साल साकिन बहालसाही थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उडिसा

06- सुशील साहू पिता निलंकठ साहू उम्र 34 साल साकिन बहालसाही थाना छेन्दीपदा जिला अंगुल उड़ीसा

जहां गांजा लेकर जाना था ,डेस्टिनेशन प्वाइंट जिला अकोला महाराष्ट्र

07- दिलशाद खान पिता शाहिब खान उम्र 33 साल साकिन चन्नी डोरिया थाना अमौर जिला पुर्णिया बिहार

08-शेख जब्बार पिता शेख जफ्फार उम्र 27 साल साकिन ?फिरदोस कालोनी मोतीवाल थाना अकोटपेल जिला अकोला महाराष्ट्र

खबर-खास

पुतला दहन बना हादसा: युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम बाजपेयी व अभिषेक शर्मा आग में झुलसे, मचा हड़कंप

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिला मुख्यालय में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन कार्यक्रम अचानक हादसे में बदल गया, जब जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम बाजपेयी व अभिषेक शर्मा आग की चपेट में आकर झुलस गए। घटना से मौके पर हड़कंप मच गया और कार्यक्रम स्थल पर कुछ समय के लिए अफ्रा-तफ्री की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, यह प्रदर्शन भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित किया गया था। जिला युवा कांग्रेस सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कार्यकर्ता इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतले में लगाई गई आग अचानक तेज भड़क उठी और पास खड़े अध्यक्ष शुभम बाजपेयी उसकी चपेट में आ गए, वही अभिषेक शर्मा का हाथ झुलस गया और उंगली क्रैक बताया जा रहा है । घटना होते ही कार्यकर्ताओं में अफ्रा-तफ्री मच गई और उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उपचार के लिए भेजा गया। सारँगढ जिला अस्पताल भेजा गया तत्पश्चात सारँगढ में निजी अस्पताल में रात को इलाज जारी था वही इलाज के लिये आज सुबह रायपुर रिफर किया गया है हादसे के बाद मौके पर मौजूद पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोंकझोंक भी हुई। वहीं कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गिरफ्तारी का विरोध जारी रखा। फिलहाल घायल अध्यक्ष की हालत पर नजर रखी जा रही है और प्रशासन द्वारा घटना की जानकारी जुटाई जा रही है।

सामूहिक नकल की तर्ज पर आसमा में चल रहा था बिजली चोरी का कारोबार

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर शहर के नामचीन बिल्डर आसमा सिटी की कॉलोनी के भीतर सामूहिक नकल की तर्ज पर सामूहिक बिजली चोरी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में विद्युत मंडल के सक्षम अधिकारी सुरेश जांगड़े ने कहा है कि कॉलोनी के भीतर लगभग तीन दर्जन से अधिक मकानों में मीटर बायपास करके बिजली ली जा रही थी। मामले में मकान के भीतर कुल विद्युत उपकरणों का निरीक्षण पश्चात डाटा लेकर आकलन किया जा रहा है कि अब तक कुल कितनी विद्युत की खपत कर ली गई। सूत्र बताते हैं कि लगभग बिजली की यह चोरी 40 लाख रुपए से अधिक की है इस मामले में आसमान सिटी के बिल्डर ने भी अपना पक्ष बताया।

मोहमाया वाली बजट में राज्य के लिए कोई संकल्प नहीं- नवीन जायसवाल

कवर्धा। छग की भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नवीन जायसवाल ने मोह माया वाला बजट कहा है। उन्होने कहा कि बजट का नाम संकल्प है पर इसमें राज्य के लिए कोई संकल्प नही लिया गया है। बजट में किसानों, बेरोजगार भाइयों और आम लोगों के लिए कुछ भी नही है। पिछले बजट के कामों का पूरा होने का उल्लेख नही है। ये कहते हैं 2047 का रोड मैप है पर अभी तो 2026 चल रहा है। बात तो 2026 की करनी चाहिए न कि 2047 की। लगता है दिल्ली से बनकर आता है, छत्तीसगढ़ का बजट। छत्तीसढ का यह बजट कवर्धा जिले के लिए झुनझुना वाला बजट बनकर रह गया है। आने वाले समय में छग की जनता भाजपा का झुनझुना जरूर बजाएगी।

कबीरधाम पुलिस ने 5 करोड़ का गांजा के साथ कंटेनर भी किया जब्त

गुप्त चेंबर में 9 क्विंटल से ज्यादा छिपाया था गांजा

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के अंतिम छोर चिल्फी थाना में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 5 करोड़ रुपए कीमत का गांजा जब्त करने में सफलता पाई है। साथ ही चिल्फी पुलिस ने नागालैंड पासिंग कंटेनर को जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। इसी कंटेनर में गांजा भरकर ले जाया जा रहा था।

पुलिस अधिकारियों की पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि पकड़े गए गांजा को वह उड़ीसा से राजस्थान ले जा रहा था। वाहन में 30-30 किलो की 30 बोरियों में गांजा भरा था। यह गांजा गहन चेकिंग के दौरान कंटेनर में बनाए गए चेंबर में छिपाया गया था। गांजा का वजन कराने के बाद (900 किलो) गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी आयाज खान, निवासी भरतपुर, राजस्थान को गिरफ्तार किया है। आरोपी यह गांजा ओडिशा से राजस्थान ले जा रहा था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 बोरियों में भरा हुआ लगभग 9 क्विंटल गांजा जब्त किया है। जब्त किए गए गांजा का अनुमानित बाजार मूल्य 5 करोड़ रुपए और कंटेनर की कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी आयाज खान, निवासी भरतपुर, राजस्थान है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई को जिले में नशे के कारोबार पर बड़ी चोट माना जा रहा है।

जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद 'खर्चापानी' की मांग

वायरल वीडियो से मचा हड़कंप... जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन

बिलासपुर (समय दर्शन)। प्रदेश की न्यायधानी कहे जाने वाले बिलासपुर के जिला अस्पताल से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डिलीवरी के बाद मरीजों के परिजनों से 'खर्चापानी' के नाम पर पैसे मांगने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति बन गई है।

मामला जिला अस्पताल बिलासपुर का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में कथित रूप से एक महिला स्टाफ प्रसव के बाद मरीज के परिजनों से रकम मांगती नजर आ रही है। परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के बाद 'रिवाज' या 'खर्चापानी' के नाम पर पैसे लिए जाते हैं। जबकि सरकारी अस्पतालों में प्रसव सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध होने का दावा किया जाता है। ऐसे में यदि किसी भी प्रकार की राशि की मांग की जा रही है, तो यह स्पष्ट रूप से नियमों के विरुद्ध है।

आरोप यह भी है कि आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों से आसानी से पैसे ले लिए जाते हैं, वहीं गरीब और जरूरतमंद परिवारों पर भी दबाव बनाया जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय स्तर पर आक्रोश बढ़ गया है और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि जांच के बाद क्या कदम उठाए जाते हैं और क्या वास्तव में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के दावे जमीन पर लागू हो पा रहे हैं।

सरकार का बजट प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला- डॉ.वीरेन्द्र साहू

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा के प्रवक्ता एवं जिला पंचायत सभापति डॉ. वीरेन्द्र साहू ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान और युवाओं की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला साबित होगा। डॉ. साहू ने अपने बयान में कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इससे प्रदेश के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया है। डॉ. साहू ने आगे कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का सशक्त संकल्प है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार की नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा और यह बजट छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

व्यावसायिक परिसर निर्माण और दुकानों की नीलामी रद्द

जनआक्रोश के आगे झुका प्रशासन, गांधी मैदान बचाने की मांग को मिली जीत

गरियाबंद (समय दर्शन)। शहर में प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर निर्माण और दुकानों की आम नीलामी आखिरकार बढ़ते जनविरोध के आगे निरस्त कर दी गई। नगर पालिका परिषद द्वारा गांधी मैदान, गौरव पथ रोड और शुकवारी हाट बाजार क्षेत्र की दुकानों की 16, 18 और 20 फरवरी 2026 को नीलामी की घोषणा की गई थी, लेकिन लगातार उठते सवालों और विरोध के बाद प्रशासन को फैसला वापस लेना पड़ा।

नीलामी प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 और छत्तीसगढ़ नगर पालिका अचल संपत्ति अंतरण नियम 1996 के तहत प्रस्तावित थी। हालांकि नागरिकों और आवेदकों ने आरोप लगाया कि आवश्यक राजस्व स्वीकृति और रेरा अनुमति के बिना ही निर्माण और नीलामी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी।

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसर के लिए पर्याप्त पार्किंग, सार्वजनिक शौचालय और आमजन सुविधाओं की ठोस व्यवस्था नहीं की गई थी। योजना के क्रियान्वयन से पहले मूलभूत ढांचे पर स्पष्टता नहीं होने से लोगों में असंतोष बढ़ता गया।

सबसे गंभीर आपत्ति गांधी मैदान की भूमि प्रभावित होने की आशंका को लेकर सामने आई। नागरिकों का दावा है कि निर्माण कार्य से मैदान की 5 से 10 फीट भूमि प्रभावित हो सकती थी। इसे शहर की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान पर सीधा आघात बताया गया।

नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, आरक्षण व्यवस्था और खुले बोली तंत्र को लेकर भी कई प्रश्न खड़े किए गए। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि प्रक्रिया में स्पष्टता और सार्वजनिक भागीदारी का अभाव है।

लगातार विरोध, खबरों और शिकायतों के बाद प्रशासन ने अंतत: परियोजना और नीलामी प्रक्रिया को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया। इस फैसले के बाद शहर में संतोष का माहौल है।

नागरिकों ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि गरियाबंद के हित और गांधी मैदान के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए गौरव पथ मार्ग में प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर निर्माण को रद्द करना एक सराहनीय कदम है।

शहरवासियों का मानना है कि विकास योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन जनभावनाओं, पारदर्शिता और सार्वजनिक हित को दरकिनार कर नहीं। गांधी मैदान की रक्षा को लेकर उठी आवाज ने यह साबित कर दिया कि संगठित जनशक्ति किसी भी फैसले को बदलने की ताकत रखती है।

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में वाइल्ड कुकिंग के जंगल में आपका स्वागत है!

कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' की किचन इस बार जंगल थीम में तब्दील हो गई, जहां कुकिंग का हंगामा हंसी से भरे सफ़री में बदल गया। एप्रन की जगह जानवरों के अंदाज़ ने ली और किचन का फ्लोर जंगल में बदल गया, जहां सिर्फ एक ही नियम था-हंसो या हंसाओ! जंगल स्पेशल एपिसोड में प्रतिभागियों ने अपने वाइल्ड अंदाज़ को अपनाया अंकिता लोखंडे बिल्ली बनकर मंच पर आई, सुधेश लेहरी जंगल सफ़री गार्ड के रूप में नज़र आए, जन्नत जुबैर ने केंचुए का किरदार निभाया, कृष्णा ऊँट बने, सामर्थ घोड़े के रूप में आए, भारती तितली की तरह इधर-उधर उड़ती दिखीं, जबकि बाकी टीम भी उतने ही मज़ेदार और अनोखे अवतारों में दिखाई दी। इस वाइल्ड मस्ती में क्यूटनेस का तड़का तब लगा जब कंटेस्टेंट्स अपने असली पालतू जानवरों को लेकर पहुंचे। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश अपने डॉग्स मज़नू और डाकू को लेकर आए, अंकिता ने अपनी बिल्ली माऊ से सबको मिलवाया, अर्जुन बिजलानी अपनी कैट ऑरा के साथ आए, जबकि अली गोनी अपने डॉग रैम्बो को लेकर पहुंचे। कुछ देर के लिए किचन पालतू जानवरों का पैराडाइज़ बन गई और दिल पिघल गए, भले ही काउंटर पर कुकिंग का हंगामा जारी रहा।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक्सी एआई का विस्तार किया

नईदिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक्सी एआई का विस्तार करते हुए 'मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम' को और मजबूत करने की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य यूज़र्स को अधिक विकल्प, और बेहतर नियंत्रण देना है, ताकि वे अपने दैनिक कार्य कम मेहनत और अधिक स्वाभाविक तरीके से पूरे कर सकें। कंपनी के अनुसार, अब लोग अलग-अलग कामों के लिए कई तरह के एआई एजेंट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 10 में से लगभग 8 यूज़र्स दो या उससे अधिक एआई एजेंट्स पर निर्भर हैं। इसी बदलाव को देखते हुए, सैमसंग गैलेक्सी एआई को इस तरह विकसित कर रहा है कि यूज़र अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से अलग-अलग इंटीग्रेटेड एआई अनुभवों को चुन सकें। गैलेक्सी एआई को ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर गहराई से जोड़ा गया है। यह केवल किसी एक ऐप तक सीमित रहने के बजाय पूरे डिवाइस के सिस्टम लेवल पर काम करता है। यह यूज़र की जरूरतों को समझते हुए ज्यादा स्वाभाविक और सरल इंटरैक्शन सुनिश्चित करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के प्रेसिडेंट और आर एंड डी हेड, वॉन-जून चोई ने कहा, हम एक खुले और समावेशी एआई इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यूज़र्स को जटिल कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए अधिक विकल्प और नियंत्रण दे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202602104500061

विषय-ब-121 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
खम्हरिया प.ह.नं. 00007(829/1(0.1700 हे.))
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-मोहित कुमार
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मोहित कुमार पिता स्व. आनंद राम सरस्वती पति स्व. आनंद राम के नाम पर संयुक्त नाम से ग्राम खम्हरिया प.ह.नं. 07 तह. पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में कृषि भूमि खसरा नं. 829/1 रकबा 0.19 हे. स्थित है। यह कि कम्पूटर आन लाईन रिकार्ड में हुए त्रुटि होने से उक्त वर्णित भूमिखसरा नं. 829/1 रकबा 0.19 हे. के स्थान पर खसरा नं. 829/1 रकबा 0.17 हे. दर्ज हो गया है। यह कि कम्प्यूटर आन लाईन रिकार्ड में हुए त्रुटि को सुधार किये जाकर उक्त वर्णित भूमि खसरा नंबर 829 रकबा 0.17 हे. के स्थान पर खसरा नं. 829/1 रकबा 0.19 हे. दर्ज किये जाने हेतु उक्त आवेदन पत्र आवेदक की ओर से उपरोक्त माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त कार्यवाही में जिस व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति होतो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202602104500047

विषय-ब-121 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
रूही प.ह.नं. 00014(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-शंकर
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक शंकर पिता रमउ राम जाति मेहर पता ग्राम खम्हरिया ने आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक एवंअन्य परमानंद परमिला पिता टमर,चम्पा बाई पति रमाउ राम के नाम पर संयुक्त खाता में ग्राम खम्हरिया तह.पाटन में कृषि भूमि खसरा नं. 267/2 रकबा 0.25 हे. स्थित है यह कि कम्पूटर आन लाईन रिकार्ड में हुए त्रुटि होने से उक्त भूमि तिलक राम आ. फिरत के नाम पर दर्ज हो गया है। अत: श्रीमान न्यायालय से सादर निवेदन है कि आवेदक का आवेदन पत्र स्वीकार कर कम्प्यूटर ऑनलाईन रिकार्ड में हुए त्रुटि को सुधार किये जाकर उक्त वर्णित भूमि खसरा ब 267/2 रकबा 0.25 है आवेदक व अन्य पमानंद, परमिला पिता मरउदास,चम्पा बाई पति दमउ राम के नाम पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त कार्यवाही में जिस व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति होतो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202602104500070

विषय-अ-6 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
पुनईडीह प.ह.नं. 00020(29(1.2200 हे.))
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-हुमायू सुल्तान
अनावेदक पक्षकार- अब्दुल गफ्फार

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पुरईडीह प.ह.नं.20 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हुमायू सुल्तान पिता स्व. अब्दुल गफ्फार उर्फ ए.जी. कुरैशी उम्र 59 वर्ष निवासी वार्ड न. 22 आदर्श नगर केम्प 1 सुपेला भिलाई तह.व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने आावेदन पेश किया हैकि मेरे पिता अब्दुल गफ्फार उर्फ ए.जी. कुरैशी पिता मोहम्मद इशहाक के नाम हक व स्वामित्व पर मौजा ग्राम पुरईडीह तह.पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में कृषि भूमि खसरा नं. 29 रकबा 1.22 हे. स्थित है। 3. यह कि मेरे पिता अब्दुल गफ्फार उर्फ ए.जी. कुरैशी पिता मोहम्मद इशहाक का मृत्यु दिनांक 19.12.2003 को हो गया है 4. यह कि मेरे पिता अब्दुल गफ्फार उर्फ ए.जी. कुरैशी पिता मोहम्मद इशहाक (फौत) हुमायू सुल्तान कुबारक सुल्तान ईबारक सुल्तान तबारक सुल्तान ऐशुन निशा यह कि आवेदक अपने आवेदक पत्र में वर्णित वंशवृक्ष अनुसार फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त कार्यवाही में जिस व्यक्ति संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति होतो सुनवाई हेतु नियत तिथि 17.03.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/चार/रा.वि./2026/30/452 भिलाई दिनांक 23.02.2026

-:: नामान्तरण प्रकाशन हेतु ::-

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	श्री जी.एस. चौहान आ.श्री राम शंकर चौहान	श्री प्रशांत चौहान आ.श्री जी. एस. चौहान	वारिसान	मो.ने.न.पश्चिम आवासीय योजना ब्लाक/ भूखण्ड क्र.-48/04 आकार 216 व.मी.
2.	श्रीमती कमलावती देवी पति स्व. दीनानाथ वर्मा	1.श्रीकांत शर्मा 2.ओम प्रकाश शर्मा 3.संजय शर्मा 4. गीता देवी सभी के आ. स्व. दीनानाथ शर्मा	वारिसान	जवाहर नगर आवासीय योजना ब्लाक / भूखण्ड क्र.-26/30 आकार 40.50 व.मी.
3.	श्री वंश बहादुर सिंह आ. स्व. श्री राजाराम सिंह	1.मनोज कुमार पाण्डेय आ. श्री हरिशंकर पाण्डेय 3. श्रीमती सुलेखा देवी पाण्डेय पति मनोज कुमार पाण्डेय	बिक्रीनामा	न्यू खुर्सीपार वार्ड-47 आ. यो. व्यवस्थापन आकार -148.74 व.मी.
4.	श्री ज्ञानचंद अग्रवाल आ. स्व. श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल	1.श्रीमती पार्वती अग्रवाल पति स्व. ज्ञानचंद अग्रवाल 2. प्रियंका अग्रवाल 3. हिमांशु अग्रवाल दोनों के आ.स्व. ज्ञानचंद अग्रवाल	वारिसान	प्रिय.परि.पश्चिम आ. यो. ब्लाक /भूखण्ड क्र.05/04 आकार-330 व.मी.
5.	मोहम्मद हारून आ.स्व. रसीद खान	मो.शकील आ.पिर मोहम्मद	बिक्रीनामा	कृष्णा नगर आवासीय व्यवस्थापन योजना आकार-450 व.फु.
6.	1.मेहतरीन बाई पति स्व. विदेशी राम 2.पद्मिनी श्रीवास पति स्व.घासीदास श्रीवास 3. लोकेश श्रीवास आ.स्व. घासीदास श्रीवास	श्री अनवारूल इस्लाम आ. श्री मिसबाहुल इस्लाम खान	बिक्रीनामा	राजेन्द्र चौक सुपेला ब्लाक/भूखण्ड क्र.- ए/11 आकार 11.25 व.मी.
7.	स्व.प्रकाश आ.मोहनदास	1. श्रीमती मीना पोपटानी पति स्व. आत्मप्रकाश 2.श्री आकाश पोपटानी आ. स्व.आत्मप्रकाश 3. मुस्कान जैन पति मेहुल जैन	वारिसान	जनता मार्केट केम्प 02 भिलाई व्यवसायिक ब्लाक/भूखण्ड क्र.-03/01 आकार 13.32 व.मी.
8.	स्व. श्रीमती उमा शुक्ला आ. रामनाथ शुक्ला	1.श्री संतोष कुमार तिवारी आ.स्व. केदारनाथ तिवारी 2. निशांत कुमार तिवारी एवं श्री प्रशांत कुमार तिवारी दोनों के आ. श्री संतोष कुमार तिवारी	वारिसान	सर्कुलर मार्केट केम्प 02 व्यवसायिक व्यवस्थापन ब्लाक/भूखण्ड क्र.-16/16 आकार 143 व.फु.

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

ग्राम अमलीडीह में वी.बी.जी. राम जी चौपाल सम्पन्न, योजनाओं से जुड़ने का दिया संदेश

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा मंडल अंतर्गत ग्राम अमलीडीह (जिला महासमुंद) में वी.बी.जी. राम जी चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भाजपा जिला महासमुंद के प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी तथा प्रदेश सह-संयोजक (प्रधानमंत्री धन धान्य प्रकल्प, भाजपा किसान मोर्चा छत्तीसगढ़) अजय डड़सेना रहे, व युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक जिन्होंने वी.बी.जी. राम जी अभियान के उद्देश्य, महत्व एवं उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से इससे जुड़कर शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने बताया कि वी.बी.जी. राम जी कार्यक्रम गांव, गरीब, किसान और मजदूर वर्ग तक शासकीय योजनाओं को सीधे पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ना, सरकारी सुविधाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देना प्रमुख लक्ष्य है। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके समाधान हेतु संबंधित विभागों तक पहुंचाने की दिशा में भी पहल की जाती है।

इस अवसर पर ग्राम अमलीडीह के सरपंच मिथिलेश कुमार पटेल एवं उप-सरपंच पिंकी ध्रुव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने कार्यक्रम के प्रति उत्साह दिखाते हुए जानकारी प्राप्त की तथा योजनाओं का लाभ लेने की इच्छा व्यक्त की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त-खबर

अचानकपुर में महिला समूहों का सफाई अभियान, माह में एक दिन श्रमदान कर संवार रहीं गांव की सूरत

पाटन। विकासखंड के अंतर्गत आने वाले अचानकपुर गांव में महिला स्व-सहायता समूहों की पहल से स्वच्छता की मिसाल कायम की जा रही है। गांव की विभिन्न महिला समूहों की सदस्याएं मिलकर प्रत्येक माह एक दिन श्रमदान करती हैं और गांव की गलियों, चौक-चौराहों तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई करती हैं। महिलाओं का कहना है कि स्वच्छ गांव से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इसी उद्देश्य से वे नियमित रूप से अभियान चलाकर ग्रामीणों को भी साफ-सफाई के प्रति जागरूक कर रही हैं। अभियान के दौरान कचरा संग्रहण, नालियों की सफाई और आसपास फैली गंदगी को हटाने का कार्य किया जाता है। ग्राम पंचायत अचानकपुर के सरपंच देवानंद साहू ने महिला समूहों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से गांव में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक माहौल बना है। उन्होंने अन्य ग्रामीणों से भी इस अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

सेवा सहकारी समिति सांकरा में शेड निर्माण का भूमिपूजन सम्पन्न, युवा सरपंच रवि सिंगौर ने माना अभार

पाटन । कृषि उपज मंडी समिति दुर्ग के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति सांकरा में शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन मंगलवार, 24 फरवरी 2026 को विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। उक्त निर्माण कार्य पर लगभग 19.13 लाख रुपये की लागत आएगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज के भंडारण एवं विपणन में सुविधा मिलेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल, सांसद दुर्ग लोकसभा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेन्द्र कौशिक, जिला अध्यक्ष भाजपा ने किया। विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम राजेश चन्दाकर सभापति, जिला पंचायत दुर्ग, श्रीमती कल्पना नारद साहू सभापति, जिला पंचायत दुर्ग, कमलेश वर्मा उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत पाटन, कमलेश चन्दाकर मंडल अध्यक्ष, पाटन, राजा पाटव सांसद प्रतिनिधि, राजेश चन्दाकर सांसद प्रतिनिधि जनपद पाटन, प्राधिकृत अध्यक्ष मनबोध साहू ,रवि सिंगौर सरपंच, ग्राम पंचायत सांकरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर ने दुर्ग लोक सभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल का आभार प्रकट करते हुए कृषि उपज मंडी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा है कि मोदी की गारेंटी और विष्णु के सुशासन में लगातार विकास कार्य पर मुहर लग रही है ।आज किसानों भाईयो के हित में सांकरा धान खरीदी केंद्र में सेड निर्माण का भूमिपूजन दुर्ग सांसद विजय बघेल के करकमलों से संपन्न हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि इस शेड के निर्माण से किसानों को संरक्षित स्थान उपलब्ध होगा, जिससे उपज की गुणवत्ता बनी रहेगी और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ किया गया।

पाटन में केंद्र सरकार के विरोध में कल होगा पुतला दहन

पाटन। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा केंद्र सरकार के विरोध में 26 फरवरी 2026 (गुरुवार) को पुतला दहन एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 4:00 बजे स्वामी आत्मानंद चौक (जनपद पंचायत के सामने), पाटन में संपन्न होगा।

आयोजकों के अनुसार पाटन विधानसभा क्षेत्र के समस्त मंडल अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, भारतीय युवा कांग्रेस, नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया (ह्रस्ढ्ढ), महिला कांग्रेस तथा सभी जनप्रतिनिधियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा अध्यक्ष विपिन चंद्राकर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन अध्यक्ष मोहन साहू एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने संयुक्त रूप से कार्यकर्ताओं से उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा।

छग का वर्तमान बजट सर्वजन व सर्वजन सुखाय-चंदूलाल साहू

महासमुन्द(समय दर्शन)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने 24 फरवरी को छत्तीसगढ़ सरकार के लिए लगातार तीसरे वर्ष वार्षिक बजट प्रस्तुत किया । बजट पर24 छग स्टेट वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वित्त मंत्री चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया समावेशी बजट छत्तीसगढ़ियों के लिए पिछले 2 वर्ष की तरह सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय साबित होगा । बजट में अन्नदाता किसानों के कृषक उन्नति योजना हेतु 10,000 करोड़, विद्युत पंपों के लिए बिजली सब्सिडी हेतु 5,500 करोड़, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु 820 करोड़, दीनदयाल भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण हेतु 600 करोड़ और गन्ना किसानों को बोनस हेतु 60 करोड़ रुपए साथ ही किसानों के लिए विद्युत पंपों पर बिजली बिल सब्सिडी हेतु 5,500 करोड़ रुपए का प्रावधान दर्शाता है कि साय सरकार अन्नदाताओं के कल्याण के लिए किस हद तक चिंतित है । इसी तरह विकसित भारत जी-राम-जी योजना के लिए 4,000 करोड़ रुपए का प्रावधान ग्रामीण श्रमिकों के आर्थिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1,700 करोड़, युवाओं के लिए 1.097 करोड़, आवासहीन ग्रामीण परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने हेतु 4,000 करोड़, गरीब-जरूरतमंदों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 6,500 करोड़, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शुरू की जाने वाली स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट शाला योजना के लिए 100 करोड़, शासकीय कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा हेतु 100 करोड़, महिलाओं (मातृशक्तियों) के नाम पर भूमि, भवन, अचल संपत्ति क्रय पर भारित पंजीयन शुल्क पर 50त्न की छूट की घोषणा आदि प्रावधान दर्शाते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के साथ ही महान छत्तीसगढ़ की संकल्पना के अनुरूप इस बजट को तैयार किया गया है । यह बजट दर्शाता है कि अब छत्तीसगढ़ डबल इंजन सरकार के दम पर बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के योग्य हो गया है । इस अभूतपूर्व बजट के लिए मुख्यमंत्री साय और वित्त मंत्री चौधरी के साथ-साथ प्रेरणास्त्रोत प्रधानमंत्री मोदी जी धन्यवाद व बधाई के पात्र हैं ।

श्री साहू ने कांग्रेसियों के बजट की आलोचना करने पर तंज कसते हुए कहा कि जब राहुल गांधी को बजट (केंद्रीय) समझ नहीं आता तो फिर छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों को भला बजट कैसे समझ आ सकता है । वैसे भी कांग्रेसियों को एक घुट्टी पिलाकर रखी गई है कि भाजपा की केंद्र या कोई भी राज्य सरकार कोई भी निर्णय करे तो पूरा दम लगाकर उसका विरोध करना है, फिर चाहे वह निर्णय देश या जनहित में ही क्यों न हो । वहीं भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों को कांग्रेस के इन विरोध प्रदर्शनों से कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्हें फर्क केवल आम जनता के विरोध और सहमति से पड़ता है । अब कांग्रेसी बजट पर छाती पीटें या फिर शर्ट उतारकर अपने नंगेपन का फिर से प्रदर्शन करें, ये उनका सिरदर्द है, भाजपा या साय सरकार का नहीं ।

पिथौरा विकासखण्ड में कांग्रेसियों ने चलाया मनरेगा बचाओ अभियान

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत पिथौरा ब्लाक के अंतर्गत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष करण सिंह दीवान के उपस्थिति में बसना विधानसभा के टेका ग्राम गोपालपुर राजा डेरा मुढ़ीपार जम्हार मेमरा ग्राम पंचायत पीलवा पाली में मनरेगा अभियान चलाया गया जिसमें सुदर्शन मुन्ना मंडल अध्यक्ष घनश्याम घाढी मंडल अध्यक्ष भुरकोनी के तथा ग्राम पंचायत टेका के पूर्व आदिवासी कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नारद भोई, हेमलाल पटेल, बिसीकेशन भोई , शंभू दयाल बरिहा, गुलाब खान, गजानन ठाकुर ,फारुक खान ,शरीफ खान भागीरथी भोई, सुखदेव भोई पुनीत राम, चैती बाई बरिहा, शोभा भोई, देवकी बाई, नसीमा परवीन ,पीर बी, नीलाबाई यादव सहित बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बसना विधायक की अनूठी पहलः स्कूली बच्चों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही, शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

सपनों को मिली उड़ानः डॉ. संपत अग्रवाल के प्रयासों से छात्रों ने जाना लोकतंत्र का 'एबीसी'

शैक्षणिक भ्रमण के बहाने बच्चों ने समझा जनहित के कानून बनने का सफर, विधायक डॉ.संपत अग्रवाल ने बच्चों के कौतूहल को दी नई पहचान

बसना (समय दर्शन)। राजनीति जब जनसेवा और शिक्षा के संकल्प से जुड़ती है, तो वह समाज के भविष्य की नींव रखने का काम करती है। कुछ ऐसा ही नजारा आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ के नवीन विधानसभा भवन 'मितान' में देखने को मिला, जहाँ बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के विशेष प्रयासों से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुखी पाली (पिथौरा) के विद्यार्थियों ने लोकतंत्र के इस पावन मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया।

बीते दिनों सुखी पाली स्कूल के छात्रों ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी एक मासूम सी इच्छा जताई थी कि उन्हें प्रदेश का नया विधानसभा भवन देखना था और शासन के शीर्ष नेतृत्व से मिलना था। बच्चों की इस जिज्ञासा को विधायक डॉ. अग्रवाल ने गंभीरता से लिया और तत्काल इसे पूरा करने का वचन दिया। आज उसी वादे को निभाते हुए विधायक स्वयं बच्चों के मार्गदर्शक बनकर उनके साथ मौजूद रहे।

भ्रमण के दौरान छात्रों के लिए सबसे यादगार पल वह रहा जब डॉ. संपत अग्रवाल ने उन्हें प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से मिलवाया। मंत्री जी ने बच्चों के साथ आत्मीयता से चर्चा की और उन्हें विधानसभा की कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों और जीवन में शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया।

मीडिया से चर्चा करते हुए डॉ. संपत अग्रवाल भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के इन प्रतिभावान बच्चों की आँखों में जो चमक आज मैंने देखी है, वही मेरे कार्य की असली सफलता है। आज के बच्चे ही कल के राष्ट्र निर्माता हैं। विधानसभा वह स्थान है जहाँ जनहित के निर्णय लिए जाते हैं। मेरा उद्देश्य है कि हमारे क्षेत्र का हर बच्चा बड़े सपने देखे और उन्हें पूरा करने का हौसला रखे।

विद्यार्थियों ने न केवल सदन की भव्यता को निहारा, बल्कि यह भी समझा कि कैसे एक विधायक जनता की समस्याओं को सदन के पटल पर रखता है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने बताया कि किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव छात्र जीवन के लिए अनिवार्य है। इस भ्रमण से बच्चों के भीतर नागरिक कर्तव्यों के प्रति एक नई समझ विकसित हुई है।

छत्तीसगढ़ के किसानों का आंध्र प्रदेश एक्सपोज़र विज़िट

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा एवं बालोद जिलों से चयनित 40 प्रगतिशील किसानों का दल 24 फरवरीको रायपुर से आंध्र प्रदेश के लिए एक्सपोज़र विज़िट पर रवाना हुआ। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऑयल पाम की खेती से संबंधित समग्र एवं व्यावहारिक तकनीकी जानकारी प्रदान करना है।

भ्रमण कार्यक्रम25 फरवरीः नल्लाजेरला एवं देवरापल्ली क्षेत्र में जुवेनाइल एवं यील्डिंग ऑयल पाम बागानों का भ्रमण- 26 फरवरीः IIOPR Pedavegi का भ्रमण **27 फरवरीः** येरनागुडेम आर एंड डी प्लॉट, अय्यवरम फैक्ट्री, 3स्न अक्षय केंद्र दुबाचेरला एवं 3स्न नर्सरी दुबाचेरला का भ्रमन इस एक्सपोज़र कार्यक्रम के दौरान किसान ऑयल पाम नर्सरी प्रबंधन, रोपण तकनीक, उत्पादन बढ़ाने की विधियाँ तथा प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित विस्तृत तकनीकी जानकारी प्राप्त करेंगे।

उपस्थित अधिकारी एवं गणमान्यजन कैलाश सिंह पैकरा – उप संचालक उद्यानिकी, रायपुर मिथलेश देवांगन – सहायक संचालक उद्यानिकी, गरियाबंद

श्रीमती लैवलिन शर्मा – जनसंपर्क विभाग, उद्यानिकी एन. के. सरकार – एसएचडीओ, आरं

3F Oil Palm की ओर सेःडोगेंद्र साहू – स्टेट हेड रोहित साहू – क्लस्टर मैनेजर

क्लस्टर ऑफिस – आकाश बघेल, देवानंद साहू, आकाश वर्मा, युगल साहू, राजकुमार साहू, महेंद्र साहू कार्यक्रम का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया तथा सभी किसानों को सफल, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी भ्रमण के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

इस प्रकार की पहलें किसानों के ज्ञान, आत्मविश्वास एवं ऑयल पाम की खेती में श्रेष्ठ तकनीकों के अपनाने को सशक्त बनाती हैं।

महिला उद्यमियों हेतु मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस कि कार्यशाला का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनपद पंचायत जिले में महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने, उनके उत्पादों की बिक्री एवं ब्रांडिंग को सुदृढ़ करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बाजार विस्तार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आज (स्थान जनपद पंचायत गरियाबंद) में महिला उद्यमियों हेतु मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस (MDA) कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह (SHG) सदस्यों एवं महिला संचालित MSMEs को बाजार विकास सहायता योजनाओं, प्रदर्शनी/मेले में भागीदारी, ब्रांडिंग, पैकेजिंग सुधार एवं डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से व्यवसाय विस्तार हेतु सक्षम बनाना है।

अपने संबोधन में अध्यक्ष ने कहा कि महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस जैसे हस्तक्षेप महिला उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायता प्रदान करते हैं।

कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत

जानकारी प्रदान की गई—

महिला उद्यमियों हेतु उपलब्ध मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजनाएँ- राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय मेलों/प्रदर्शनी में भागीदारी की प्रक्रिया उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग सुधार गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व

क्च2क्चएवं क्च2ष्ट मार्केट लिंकज के अवसर ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार

सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया

विशेषज्ञों द्वारा सफल महिला उद्यमियों के उदाहरण साझा किए गए तथा प्रतिभागियों को व्यावहारिक सुझाव दिए गए कि वे अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में कैसे स्थापित कर सकती हैं। प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें आगे की कार्ययोजना तैयार करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में जिलेभर से (30) महिला उद्यमियों, SHG प्रतिनिधियों एवं महिला संचालित MSMEs ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरक एवं उपयोगी बताया तथा भविष्य में भी ऐसे बाजारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम में (महाप्रबंधक रविशंकर ध्रुव जी जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र स्वप्निल वैद्य और इफ्तेखार हुसैन एएफसी इंडिया लिमिटेड से अंत में (RAMP कार्यक्रम के अंतर्गत CSIDC एवं AFC इंडिया लिमिटेड के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।) द्वारा सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26